vke|[k

बच्चे हमारी परंपरा के वाहक हैं और भविष्य की आशा भी। उत्सुकता से चमकती आँखों और अपरिमित ऊर्जा वाले बच्चे सीखने की ललक लेकर विद्यालय आते हैं। प्रसिद्ध वैज्ञानिक, अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था– मुझमें कोई विशेष प्रतिभा नहीं है, लेकिन मुझमें सिर्फ़ जानने की प्रबल उत्सुकता है।

ये पंक्ति पठन–पाठन पद्धति के इस महत्त्वपूर्ण पक्ष को दर्शाती है कि बच्चों को सीखने के पूरे अवसर मिलें ताकि उनमें उत्सुकता बनी रहे। इसलिए हमें स्कूल और कक्षा का वातावरण, पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें, शिक्षण सामग्री, गुणवत्तापूर्ण सिखाने और सीखने के लिए समय, शिक्षक की भूमिका आदि पर और अधिक ध्यान केंद्रित करने की ज़रूरत है।

गुणवत्तापरक परिवर्तन को लक्ष्य बनाकर बच्चों को गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा प्राप्त हो, इसके लिए विभाग द्वारा विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं। इनके अंतर्गत राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 व शिक्षा का अधिकार 2009 तथा अध्यापक शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या 2009 के मद्देनजर कक्षा 1 से 5 की पाठ्यपुस्तकों का निर्माण किया गया है।

इन पाठ्यपुस्तकों के निर्माण में इस बात पर विशेष बल दिया गया है कि सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में बच्चों की सक्रिय भागीदारी हो। बच्चों के स्कूली जीवन को उनके परिवेश से जोड़ा जाए, जिससे स्कूल और घर के बीच की दूरी कम हो सके। इन पाठ्यपुस्तकों से बच्चों को छान–बीन करने, स्वयं करके देखने–समझने, समस्या का स्वयं समाधान ढूँढ़ने जैसे कौशलों के विकास के अनेक अवसर मिल सकें, जिससे बच्चे केवल पाठ्यपुस्तकों तक ही सीमित न रहें अपितु परिवेश में उपलब्ध साधनों की ओर भी उन्मुख हों।

सीखने की प्रक्रिया में बच्चों का अपना सामाजिक संदर्भ महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। उन्हें सामाजिक विविधता के साथ–साथ धर्म, जाति, लिंग के प्रति समानता, विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों एवं बड़े बुज़ुर्गों के प्रति संवेदनशीलता, आदर–भाव तथा हरियाणा की संस्कृति की छटा को समझने के समुचित अवसर मिल सके, नवनिर्मित पाठ्यपुस्तकों में इनका गंभीरता से प्रयास किया गया है।

इन पुस्तकों में बच्चों के आस–पास की सामाजिक व सांस्कृतिक परिस्थितियों को आधार बनाकर प्रत्येक स्तरानुसार विषय–सामग्री और गतिविधियों को सम्मिलित किया गया है। इससे सभी बच्चे रोचक ढंग से स्तरानुसार व अपनी गति के अनुसार दक्षताओं और कौशलों का विकास कर पाएँगे। शिक्षक सतत एवं व्यापक मूल्यांकन द्वारा बच्चों का आकलन कर उनके स्तरानुसार दक्षताओं और कौशलों को विकसित करने में सहायक होंगे।

यह उल्लेख भी प्रासंगिक होगा कि इन पुस्तकों को आप के बीच से आए विद्यालयों के शिक्षक–शिक्षिकाओं के सहयोग से राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, हरियाणा, गुड़गाँव द्वारा तैयार किया गया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि अध्यापकगण इनके अंतर्निहित भावों को जानकर शिक्षण को रुचिकर बनाते हुए व विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को अपने कौशल से, सीखने के भरपूर अवसर प्रदान करेंगे।

vfrfjDr e|[; lfpo]
fo|ky; f'k{kk] gfj;k.kk] p.Mhx<

ikB;iLrd fuek.k lfefr

lj{kd eMy – केशनी आनन्द अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, विद्यालय शिक्षा विभाग, हरियाणा।
रोहतास सिंह खरब, निदेशक, मौलिक शिक्षा विभाग, हरियाणा।
आलोक वर्मा, राज्य परियोजना निदेशक, हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद्

ekxn'ku – स्नेहलता, निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।

leUo; lfefr – सुशील बत्रा, संयुक्त निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।
रवींद्र सिंह फौगाट, अध्यक्ष, पाठ्यपुस्तक विभाग, एस.सी.ई.आर.टी., हरियाणा, गुड़गाँव।

iujoykdu lfefr – डी.सी. ग्रोवर, सेवानिवृत्त वरिष्ठ विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।
डॉ. योगेश वासिष्ठ, विषय विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।

leh{kk lfefr – डॉ. संध्या सिंह, प्रोफेसर, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।
डॉ. रामकरण डबास, सेवानिवृत्त भाषा विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. दिल्ली।
कान्ता कश्यप, सेवानिवृत्त भाषा विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।

lnL; – तनु भारद्वाज, विषय विशेषज्ञ,एस.सी.ई.आर.टी.हरियाणा, गुड़गाँव
अलका रानी संस्कृत, प्राध्यापिका, डाइट गुड़गाँव, गुड़गाँव
ब्रजेश शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, डाइट जनौली, पलवल
महेन्द्र सिंह, खंड संसाधन व्यक्ति, बौंद कलाँ, भिवानी
राजेश कुमार, खंड संसाधन व्यक्ति, अग्रोहा, हिसार
सोमप्रकाश, खंड संसाधन व्यक्ति, कैथल, कैथल
वेदप्रकाश, खंड संसाधन व्यक्ति, बवानी खेड़ा, भिवानी
कुलदीप सिंह, खंड संसाधन व्यक्ति, हाँसी–2, हिसार
पूर्वा सिंह, खंड संसाधन व्यक्ति, फरीदाबाद, फरीदाबाद
राजकुमार, खंड संसाधन व्यक्ति, रानियाँ, सिरसा
बलविन्द्र सिन्हा, खंड संसाधन व्यक्ति, शहजादपुर, अंबाला

lnL; ,o leUo;d – राजेश यादव, विषय विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।

vkHkkj

मौलिक शिक्षा विभाग, हरियाणा अपने प्रांत की राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् की संपूर्ण पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति के प्रति आभार व्यक्त करता है। इन पुस्तकों के लेखन में एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली ने जिन विशेषज्ञों को इस कार्य हेतु नियुक्त किया, उसके प्रति हम उनके आभारी हैं। यह विभाग इस पुस्तक के पुनरवलोकन, समीक्षा व महत्त्वपूर्ण सुझावों के लिए प्रो. के.के. वशिष्ठ पूर्व अध्यक्ष, प्रा.शि.वि., एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली, प्रो. रामसजन पांडे, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक व डॉ. शारदा कुमारी, भाषा विशेषज्ञ, डाइट, दिल्ली के प्रति विशेष आभार व्यक्त करता है। जिन रचनाकारों ने अपनी रचनाएँ प्रकाशित करने की स्वीकृति प्रदान की व साथ ही एकलव्य भोपाल के भी हम प्रकाशन स्वीकृति प्रदान करने के लिए आभारी हैं।

हमारे प्रयासों के बावजूद यदि किसी रचनाकार अथवा संस्था का नाम छूट गया हो तो विभाग उनके प्रति भी आभार व्यक्त करता है। भविष्य में नाम की जानकारी होने पर आगामी संस्करणों में संशोधन कर लिया जाएगा। अज्ञात एवं अनजान कवियों व लेखकों की रचनाएँ सुविधावंचित बच्चों के लिए हैं। इनका निशुल्क वितरण किया जाना है। ये पुस्तकें किसी व्यक्तिगत लाभ को मद्देनजर रखकर नहीं बनाई गई।

पुस्तकों के टंकण कार्य हेतु बबली एवं देवानंद तथा चित्रांकन व साज–सज्जा के लिए फजरूद्दीन एवं कमल किशोर का भी यह विभाग आभार व्यक्त करता है।

पाठ्यपुस्तक के विकास में जिन विद्यालयों के शिक्षक एवं विद्यार्थी बातचीत हेतु सहयोगी रहे तथा जिन्होंने प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से इस पाठ्य पुस्तक को मूर्त रूप देने में सहयोग दिया, विभाग उन सभी सर्जकों के प्रति आभार व्यक्त करता है।

jkgrkl flag [kjc
funs'kd] ekfyd f'k{kk]
gfj;k.kk] ipdyk

f'k{kdksa ,oa vfHkHkkodksa d fy,

मानव हृदय की मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम भाषा ही है। हृदय के उद्‌गारों को भाषा के माध्यम से ही सहजता और सरलता से प्रकट किया जा सकता है। कक्षा एक के अंत तक बच्चे अपने स्तर के अनुसार सभी भाषायी कौशलों का प्रयोग करना सीख जाते हैं। इस प्रारंभिक सोपान में बच्चे चित्रकथाओं, बालगीतों, कहानियों व कविताओं का रसास्वादन लेने, वर्णमाला को जानने, वर्णों को सही ढंग से लिखने व पढ़ने से भी परिचित हो चुके हैं पर कई स्तरों पर भाषा का विकास अभी भी हो रहा है। बच्चे पढ़ते व लिखते समय इस ज्ञान की तुलना बार–बार उन बातों से करते हैं, जो वह पहले से जानते हैं। पठन सामग्री बच्चे को रुचिकर तभी लगती हैं, जब पूर्व ज्ञान से उस सामग्री का संबंध जुड़ता है।

झिलमिल–1 की तरह झिलमिल –2 में भी बच्चों की स्वाभाविक रुचियों और जिज्ञासाओं का ध्यान रखते हुए उनमें बात कहने, सुनने, पढ़ने व लिखने के कौशल तथा तर्क देने जैसी क्षमताओं को विकसित करने का प्रयास किया गया है। इस पुस्तक में शिक्षण के मूलभूत उद्देश्यों की पूर्ति हेतु बच्चों को मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति के पर्याप्त अवसर प्रदान किए गए हैं।

पुस्तक में बाल साहित्य भरपूर मात्रा में दिया गया है ताकि बच्चों का पढ़ने–लिखने के प्रति रुझान बढ़ सके। श्रवण और पठन कौशल के विकास में कविता का बहुत योगदान रहता है। इस दृष्टि से परिवेश से जुड़े बालगीत एवं कविताएँ पाठ्यपुस्तक में डाली गई हैं। शिक्षकों से यह अपेक्षा है कि वे बालगीत एवं कविताओं का कक्षा में हाव–भाव सहित वाचन करें तथा बच्चों को साथ मिलकर कविता प्रस्तुत करने के लिए कहें। बच्चों की रुचि एवं परिवेश के अनुसार पुस्तक में बहुरंगी चित्रों का समावेश किया गया है। ये चित्र बच्चों को न केवल विषयवस्तु समझने में मदद करते हैं वरन् उनको अपने परिवेश से भी जोड़ते हैं। कहानियाँ बच्चों की कल्पना को नई उड़ान देती हैं व उनकी जिज्ञासा तथा कल्पना को बढ़ाती हैं। इसीलिए पाठ्यपुस्तक में रोचक व शिक्षाप्रद बाल कहानियों का समावेश किया गया है। कहानियों के पात्र अलग–अलग शैली में बच्चों पर स्नेहिल प्रभाव छोड़ते नजर आते हैं।

बहुभाषिकता का भाषा विकास के एक संसाधन के रूप में प्रयोग किया गया है। पुस्तक में ऐसे अनेक अवसर उपलब्ध कराए गए हैं, जहाँ स्थानीय भाषा को हिंदी में तथा हिंदी के शब्दों को स्थानीय भाषा में समझाने का प्रयास किया गया है। इससे विषय की बालकों से निकटता बनी रहती है।

भाषायी विविधता भाषा विकास की कड़ी है और सभी भाषाएँ एक दूसरे के सान्निध्य में ही फलती–फूलती हैं। इसलिए कक्षा में प्रवेश करने पर बच्चे को आंचलिक शब्दों का प्रयोग करते हुए स्थानीय भाषा में अपनी बात कहने का अवसर प्रदान करें और आप प्रत्येक बच्चे की बात का सम्मान करते हुए उसे प्राथमिकता दें। इस पुस्तक में अभ्यास के अंतर्गत 'पाठ से/कविता से' पाठ आधारित प्रश्न हैं, जो बच्चों में विषय का बोध एवं लिखित अभिव्यक्ति को विकसित करने के लिए दिए गए हैं। 'आपकी बात' शीर्षक में दिए गए प्रश्न बच्चों को अपने परिवेश से जुड़ने एवं अपने अनुभवों को अपनी भाषा में कहने के लिए प्रेरित करते हैं। 'भाषा की बात' शीर्षक के अंतर्गत बच्चों को सहज एवं क्रियात्मक रूप से व्याकरण का बोध कराने का प्रयास है। वर्ग पहेली, साँप–सीढ़ी, मिलान करो एवं अन्य खेल गतिविधियों के द्वारा इस विषय को रुचिकर बनाने का प्रयास किया गया है। जिसमें उन्हें स्वयं करके सीखने का अवसर प्रदान किया गया है।

'रंग भरें' शीर्षक के अंतर्गत विषय के प्रति रुचि जाग्रत करने के साथ–साथ उन्हें अपने परिवेश से जोड़ने का उपक्रम है, यह उनके सर्जनात्मक कौशल को भी विकसित करने का प्रयास है।

पुस्तक में 'झूमो–गाओ' शीर्षक के अंतर्गत कुछ कविताएँ तथा 'कुछ और पढ़ें' शीर्षक के अंतर्गत बालगीत, चुटकुले व कहानियाँ दी गई हैं, जो केवल पठन कौशल का विकास करने के उद्देश्य से दिए गए हैं। परीक्षा की दृष्टि से उन पाठों के आधार पर बच्चों का आकलन नहीं किया जाना। यह स्वाध्याय की आदत का विकास करने का प्रयास है। यद्यपि पुस्तक में लिखने के अभ्यास हेतु पर्याप्त स्थान उपलब्ध कराया गया है किंतु अतिरिक्त लेखन अभ्यास के लिए अलग से अभ्यासपुस्तिका का प्रयोग किया जा सकता है। अभिभावकों से भी अपेक्षा है कि वे घर पर भी उन्हें ऐसे अवसर उपलब्ध कराएँ। यह जानने के लिए कि बच्चों ने शिक्षण उपरांत कितना सीखा, पुस्तक में कुछ पाठों के बाद पठित पाठों के आधार पर आकलन हेतु सामग्री दी गई है।

पुस्तक में बच्चों को अपने अनुभवों और कल्पनाओं को विस्तार देने के भी अनेक अवसर प्रदान किए गए हैं। शिक्षकों से अपेक्षा है कि वे आई.सी.टी. का प्रयोग करते हुए बच्चों का ज्ञानवर्धन करें व बाल मनोविज्ञान को समझते हुए बच्चों के चारों ओर ऐसा वातावरण निर्मित करें, जिसमें प्रकाश ही प्रकाश हो और नन्हे बालक कल्पना के हिंडोले में बैठकर अपनी जिज्ञासा को शांत करते हुए ज्ञान प्राप्त करें। मैं आशा करती हूँ कि प्रस्तुत पुस्तक f>yfey से आलोकित होकर बच्चे अपनी प्रतिभा से सारी दुनिया को प्रकाशित करेंगे।

fun'kd
, l-lh-b-vkj-Vh- gfj;k.kk]
xMxko

प्रस्तुत संस्करण

आज के बदलते परिवेश में विद्यार्थियों के साथ–साथ अध्यापकों को भी कई बार, विषय की बारीकियों और नए उदाहरणों के साथ केवल पाठ्य–पुस्तकों से समझाना कुछ अधूरा सा लगता है। ऐसी आवश्यकता महसूस होती है कि पुस्तक के विभिन्न पाठों में आवश्यकता पड़ने पर यदि डिजिटल कंटेंट तुरंत उपलब्ध हो जाय तो अध्ययन–अध्यापन की नीरसता समाप्त हो सकती है और कक्षा में रुचिकर वातावरण तैयार किया जा सकता है। कक्षा में छात्रों के अलग–अलग स्तर के अनुसार यदि गुणवत्तापूर्ण डिजिटल कंटेंट उपलब्ध हो तो, न केवल अध्ययन–अध्यापन और अधिक सशक्त होगा बल्कि कठिन बिन्दुओं को भी बेहतर ढंग से समझने–समझाने में सहायता मिलेगी। उर्जस्वित पुस्तकें (Energized Text Books) इस समस्या को हल करने की दिशा में एक पहल है। ऐसी पुस्तकों की संकल्पना, MHRD भारत सरकार के अध्यापकों को सक्षम करने के उद्देश्य से बनाये गए दीक्षा (DIKSHA) पोर्टल के लिए की गयी है।

दीक्षा के अंतर्गत ऐसी पाठ्य पुस्तकों की कल्पना की गयी है, जिनमें पाठ्यक्रम को और सशक्त करने की क्षमता हो। परंपरागत रूप से उपलब्ध पुस्तकों में QR कोड की सहायता से और अधिक सूचनाएं तथा अतिरिक्त प्रभावी सामग्री जोड़कर उन्हें और अधिक सक्रिय तथा उर्जावान बनाया जा सकता हैं। अध्यापकों की आवश्यकता के अनुसार उनके द्वारा चिन्हित पाठ के कठिन भागों में QR कोड को प्रिंट कर दिया गया है, इन QR कोडस से विडियो, अभ्यास कार्यपत्रक और मूल्यांकन शीट को लिंक कर दिया गया है।

विद्यालय शिक्षा विभाग द्वारा, राज्य शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद्, हरियाणा, गुरूग्राम को मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालयय (MHRD) के दीक्षा पोर्टल हेतु राज्य की नोडल एजेंसी बनाया गया है। इस सम्बन्ध में 12 जुलाई 2018 को शैक्षिक तकनीक (Educational-Technology) के राज्य संसाधन समूह (SRG) की एक संगोष्ठी आयोजित की गयी, जिसमें MHRD द्वारा हरियाणा राज्य के लिए नियुक्त टीम की सहायता से शैक्षिक सत्र 2018–19 हेतु राज्य के लिए एक दीक्षा कैलेंडर तैयार किया गया है इस सम्पूर्ण कार्य को मुख्यतः दो चरणों में विभक्त किया गया है–

प्रथम चरण : QR कोड युक्त पुस्तकें तैयार करना।

द्वितीय चरण : QR कोड से लिंक ई–कंटेंट तैयार करना।

विद्यालय अध्यापकों, डाइट एवं SCERT के विषय–विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा कक्षा 1-5 तक की हिंदी, अंग्रेजी, गणित एवं EVS विषय पर तैयार राज्य की पाठ्य–पुस्तकों का बारीकी से पुनरावलोकन प्रारंभ हुआ और कार्यशालाओं में इस कार्य के प्रथम चरण को पूरा किया गया। राज्य भर से चुने हुए इच्छुक कर्मठ अध्यापकों के सहयोग से चरण–2 के अंतर्गत ई–कंटेंट को निर्मित व संकलित करने का कार्य जारी है। इस कार्य के प्रथम चरण को पूर्ण करने के लिए परिषद श्रीमती पूनम भारद्वाज, अनुभागाध्यक्ष, शैक्षिक तकनीक विभाग तथा श्री मनोज कौशिक, समन्वयक (QR Code Project) का आभार व्यक्त करती है। परिषद इस कार्य को पूर्ण करने के लिए श्री नंद किशोर वर्मा, विषय विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम, रूबी सेठी, अध्यापिका, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम, राजेश कुमारी, विषय विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम, दीप्ता शर्मा, विषय विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम, राम मेहर, वरिष्ठ विशेषज्ञ, डाइट, माछरौली, झज्जर, धुपेंद्र सिंह, डाइट, विषय विशेषज्ञ, मात्रश्याम, हिसार, नरेश कुमार, विषय विशेषज्ञ, डाइट, डींग, सिरसा, डॉ एम.आर. यादव, प्राध्यापक, रा.व.मा.वि. निजामपुर, नारनौल, महेंद्रगढ़, काद्यान यशवीर सिंह, अध्यापक, रा0व0मा0वि0, वजीराबाद, गुरूग्राम, डॉ पूजा नंन्दल, प्राध्यापिका, रा.क.व.मा.वि. झज्जर, विरेंद्र, बी.आर.पी. बी.आर.सी. सालहावास, झज्जर, किरण परूथी, अध्यापिका, रा.व.मा.वि. खेडकी दौला, गुरूग्राम, बिन्दु दक्ष, प्राध्यापिका, रा.क.व.मा.वि. जैकबपूरा, गुरूग्राम का भी हद्य से आभार व्यक्त करती है।

निदेशक

एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम

दीक्षा एप कैसे डाउन लोड करें ?

विकल्प 1: अपने मोबाइल ब्राउजर पर diksha.gov.in/app टाइप करें।

विकल्प 2: अपने एंड्राइड मोबाइल के Google Play store पर DIKSHA NCTE खोजें और "डाउनलोड" बटन को दबाएँ।

मोबाइल पर **QR** कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें

1 DIKSHA App लॉन्च करें और "गेस्ट के रूप में ब्राउज करें" पर क्लिक करें।

2 विद्यार्थी के रूप में जारी रखने के लिए विद्यार्थी पर क्लिक करें।

3 पाठ्य पुस्तकों में QR कोड स्कैन करने के लिए DIKSHA App में दिए गए QR कोड Icon Tap करें

4 डिवाइस को QR कोड की दिशा में इंगित करें और QR कोड पर के ऊपर केंद्रित करें।

5 सफल स्कैन पर QR कोड से जुड़ी डिजिटल पाठ्य सामग्री सूचीबद्ध है।

डेस्कटॉप पर **DIAL** कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें

पाठ्य पुस्तक में QR कोड के नीचे 6 अंकों का एक कोड रहता है

1 जिसे DIAL कोड कहते हैं।

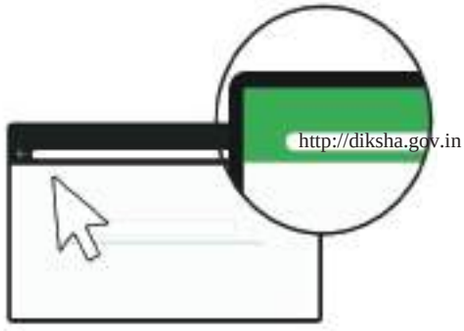

2 ब्राउजर पर **diksha.gov.in/hr/get** टाइप करें।

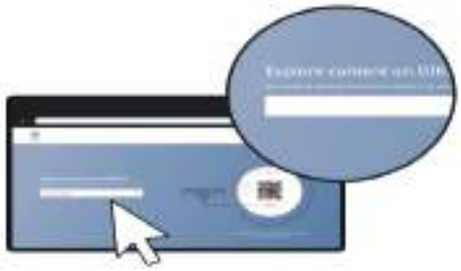

3 सर्च बार में DIAL कोड टाइप करें।

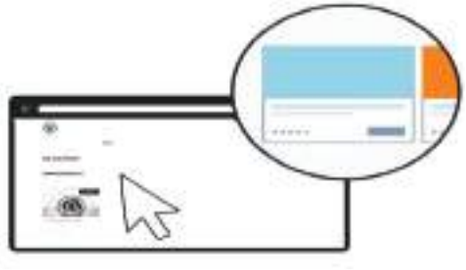

4 सभी उपलब्ध पाठ्य सामग्री की सूची देखिए और किसी भी पाठ्य सामग्री पर क्लिक करे और देखे।

fo”k;&lwph

6YTFAY

Øekd	ikB dk uke	foèkk	i”B l0
1.	कोयल	कविता	2
	• कबूतर (कुछ और पढ़ें)	कविता	7
2.	चतुर चूहा	कहानी	8
3.	घड़े की बात	कहानी	14
	आओ सीखें (योग मुद्राएँ)	योग	20
4.	तितली	कविता	23
5.	संगति का फल	कहानी	26
	• खेल गीत (कुछ और पढ़ें)	कविता	30
6.	बूझो तो जानें	पहेलियाँ	33
7.	मित्र सदा पेड़ों को मानें	कविता	37
8.	भाई को पत्र	पत्र	41
	• मेरी बहना (कुछ और पढ़ें)	कविता	46
9.	भोलू की भूल	कहानी	47
10.	खुद को जानें	कविता	52
	• हँसी के गुलगुले (कुछ और पढ़ें)	चुटकुले	57
11.	स्वच्छता पसंद बापू	प्रेरक प्रसंग	58
12.	आसमान गिरा	कहानी	61
	बंदर का कलेजा (कुछ और पढ़ें)	चित्रकथा	66
13.	रंग– बिरंगी होली	कविता	70

ejk ifjp;

- मेरा नाम ------------------------------------ है।
- मेरी माता का नाम ------------------------------ है।
- मेरे पिता का नाम ------------------------------ है।
- मैं कक्षा ------------------ में पढ़ती/पढ़ता हूँ।
- मेरे विद्यालय का नाम --------------------------

  --- है।
- मेरी आयु ------------------- वर्ष है।
- मेरा जन्मदिन ------------------------- को होता है।

ikB 1

कोयल

6Z3BCL

देखो कोयल कू–कू करती,
लगती कैसी प्यारी है।

इसकी बोली तोते, चिड़िया,
और सभी से न्यारी है।

इसको लोग चाहते क्यों हैं,
क्यों करते हैं इसका मान?

यह तो निरी कलूटी होती,
पाती है सबसे सम्मान।

भाई, कारण केवल यह है,
प्यारे बोल सुनाती है।

इधर–उधर यह उड़ती–फिरती,
मीठा गाना गाती है।

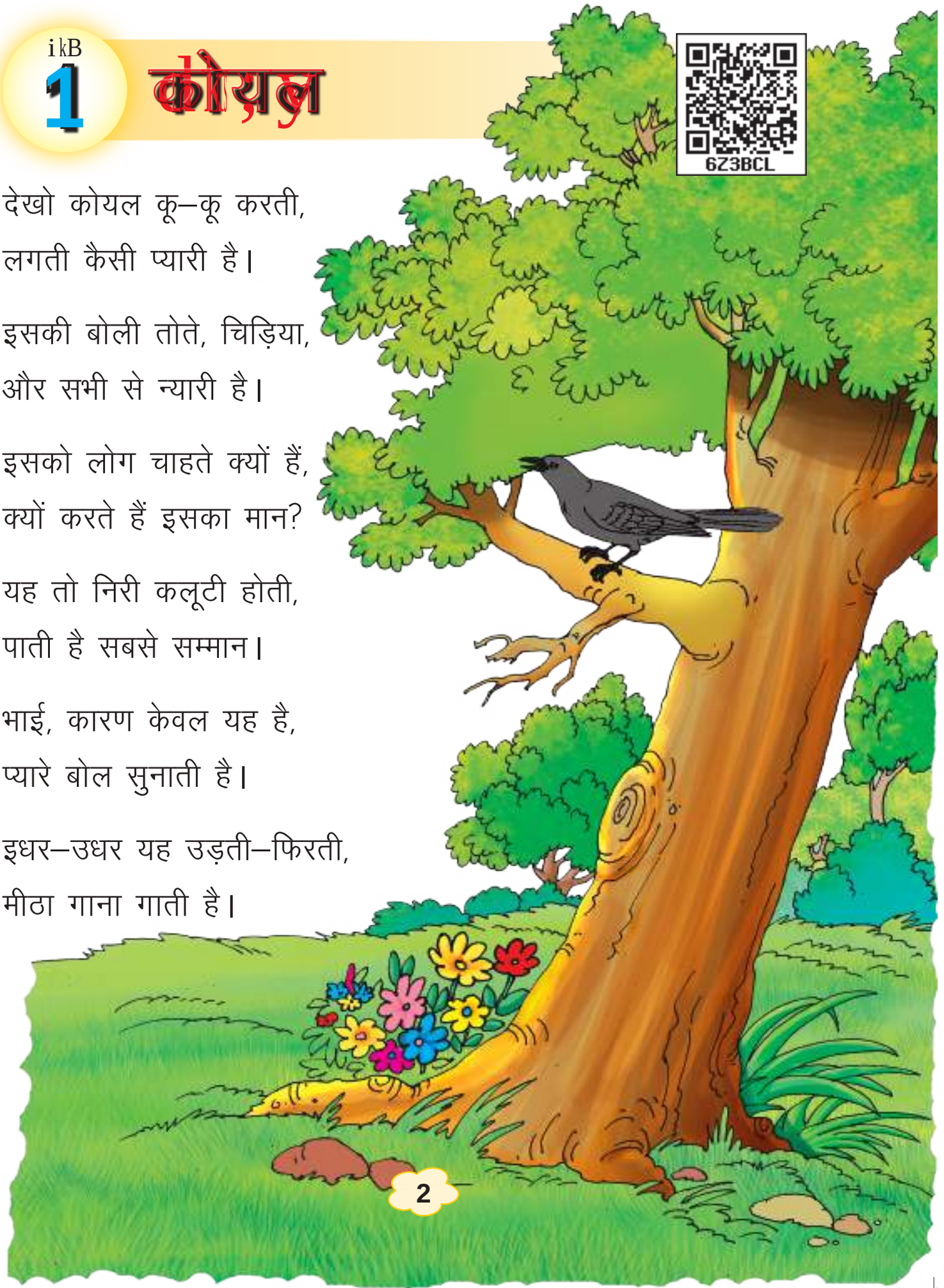

अभ्यास

6ZC7E9

1- vkb,] 'kCnksa dk vFkZ tkusa&

- न्यारी – अलग
- निरी – बिलकुल
- कलूटी – काली
- बोल – बोली
- प्रिय – प्यारी

2- dforK ls&

(क) कोयल की बोली कैसी होती है?

____

(ख) कोयल का रंग कैसा होता है?

____

(ग) कोयल का सम्मान क्यों करते हैं?

____

3- vkidh ckr&

(क) क्या आपने कभी कोयल की आवाज सुनी है? यदि हाँ, तो कहाँ?

(ख) आप टेलीविजन पर पशु–पक्षियों से संबंधित कौन–कौन से कार्यक्रम देखते हैं? उनके नाम बताएँ।

(ग) कोयल की आवाज़ की नकल करें ।

4- lqUnj ckysa vkj fy[ks&

कू–कू _________________________________

प्यारी _________________________________

कलूटी _________________________________

सम्मान _________________________________

इधर–उधर _________________________________

प्रिय ——————————————————————————

कोयल ——————————————————————————

5- dfork i<dj ifDr;k ijh dj&

यह तो निरी कलूटी होती,

पाती ————————————

भाई कारण केवल यह है,

प्यारा ————————————

इधर–उधर यह उड़ती–फिरती

मीठा ....

6- ¼d½ 'kCn cuk,|&

को —————— ल

कलू ——————

—————— ड़िया

सु —————— ती

सम्मा ——————

¼[k½ dku] d l ckyrk g\

——————————————————

——————————————————

_____

_____

_____

¼x½ dkSu mM+rk g\ ¼gk@ugh½

बिल्ली _____

तोता _____

मुर्गा _____

भालू _____

कौआ _____

गाय _____

7- Hkk"kk dh ckr&

(क) शब्द बनाएँ–

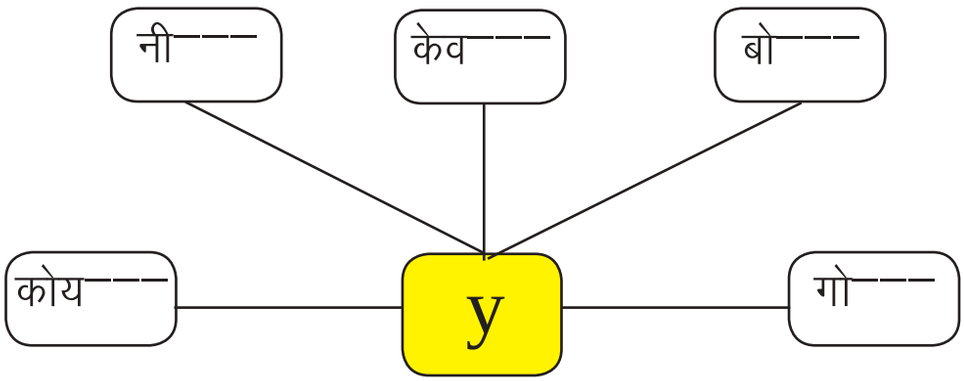

(ख) मात्रा लगाकर दो–दो शब्द बनाएँ–

क – ________कागज________ ________कोयल________

ग – ____________________ ____________________

भ – ____________________ ____________________

च – ____________________ ____________________

ट – ____________________ ____________________

त – ____________________ ____________________

(ग) आपका नाम किस वर्ण से शुरू होता है? आपकी कक्षा में जिनके नाम उसी वर्ण से शुरू होते हैं, उनके नाम लिखें–

________________________ ________________________

________________________ ________________________

________________________ ________________________

________________________ ________________________

8- NVs g, o.k fy[kdj ijk dj&

क		ग		ङ
च	छ		झ	
	ठ	ड		ण
त		द	ध	
	फ		भ	म
य		ल		
	ष		ह	
क्ष		ज्ञ		

f’k{kd d fy, – शिक्षक बच्चों से आस–पास पाए जाने वाले पक्षियों के बारे में चर्चा करते हुए मीठा बोलने के लाभ के बारे में बताएँ। कक्षा–कक्ष के वातावरण को सरस बनाने के लिए कुछ अन्य गतिविधियाँ करवाएँ। जैसे– पक्षियों की आवाजों की नकल करना, के बारे में अनुमान लगाना।

dcrj ¼dN vkj i<½

भोले–भाले बहुत कबूतर।

मैंने पाले बहुत कबूतर।

ढंग–ढंग के बहुत कबूतर।

रंग–रंग के बहुत कबूतर।

कुछ उजले कुछ लाल कबूतर।

चलते छमछम चाल कबूतर।

कुछ नीले कुछ बैंगनी कबूतर।

पहने हैं पैंजनी कबूतर।

करते मुझको प्यार कबूतर।

करते बड़ा दुलार कबूतर।

आ, अँगुली पर झूम कबूतर।

लेते हैं मुँह चूम कबूतर।

रखते रेशम बाल कबूतर।

चलते रुनझुन चाल कबूतर।

गुटर–गुटरगूँ बोल कबूतर।

देते मिश्री घोल कबूतर।

–सोहनलाल द्विवेदी

ikB

2 चतुर चूहा

6ZL3FW

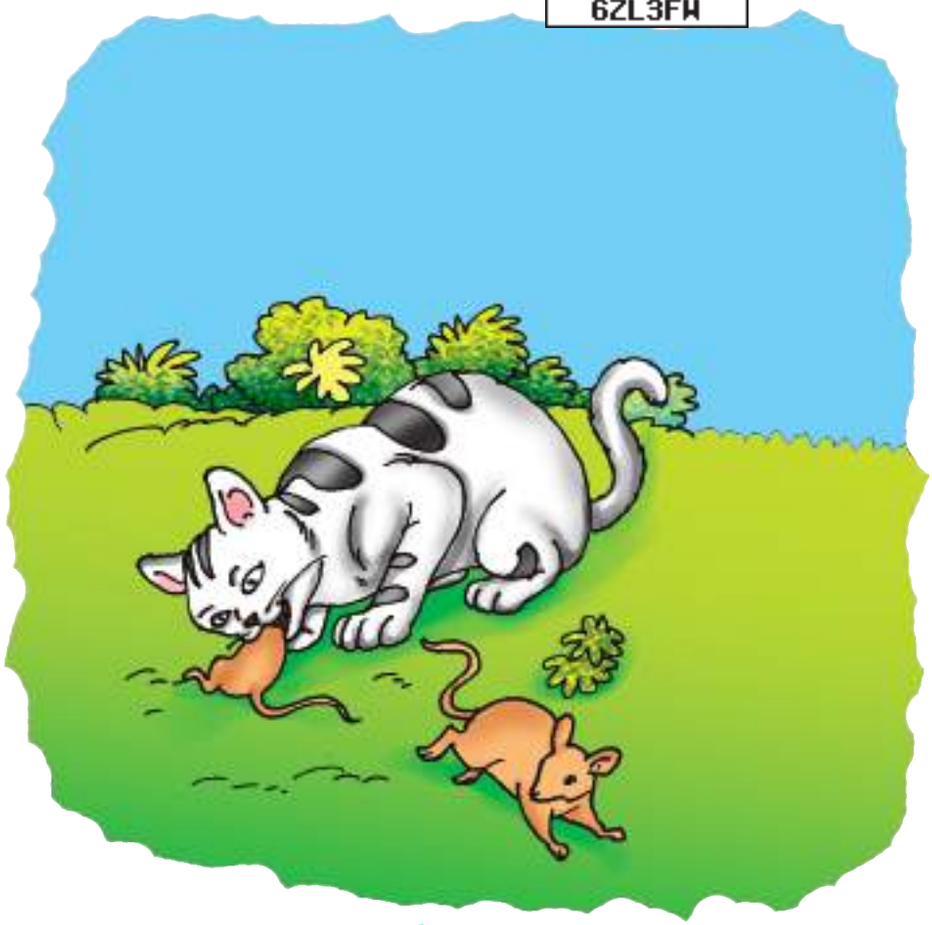

एक समय की बात है। पूसी नाम की बिल्ली से चूहे बहुत दुखी थे। पूसी रोज चूहों को खाती और पेड़ के नीचे सो जाती। चूहों ने सोचा, पूसी से कैसे बचें? उपाय खोजने के लिए चूहों ने एक सभा की। सभी ने अपने–अपने उपाय बताए, सबसे छोटे चूहे निक्कू ने जो उपाय बताया, वह सभी को पसंद आया।

निक्कू ने बताया कि बिल्ली के गले में घंटी बाँधी जाए, जिससे उसके आने का पता चल जाए।

सभा के मुखिया मूषक महाराज ने पूछा कि बिल्ली के गले में घंटी बाँधेगा कौन?

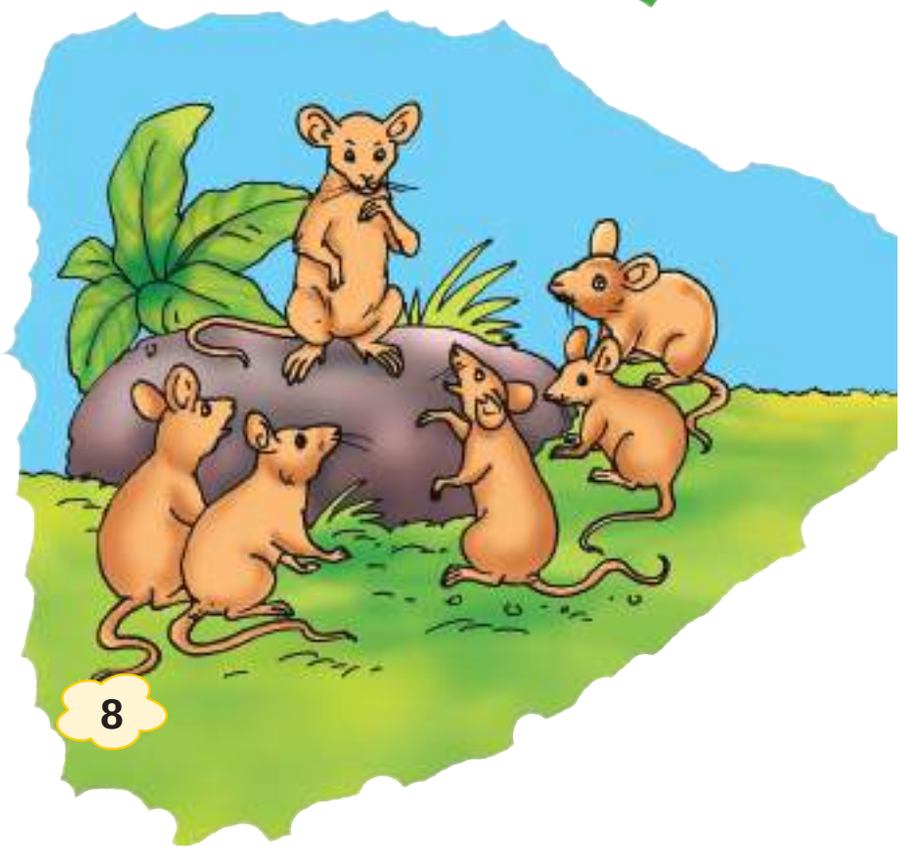

निक्कू बोला– हम सब मिलकर बिल्ली को घंटी की माला उपहार में देंगे। नैनी चुहिया ने पूछा–वह कैसे? निक्कू ने कहा कि इस बार हम चूहा–दिवस पर बिल्ली को बुलाएँगे। उसे मुख्य अतिथि बनाएँगे और घंटी की माला पहनाएँगे।

चूहा–दिवस पर चूहों ने योजना के अनुसार बिल्ली को मुख्य अतिथि के रूप में बुलाया और उसे घंटी की माला पहनाई। चूहों से उपहार पाकर पूसी फूली नहीं समा रही थी। चूहे भी खुशी से नाच रहे थे।

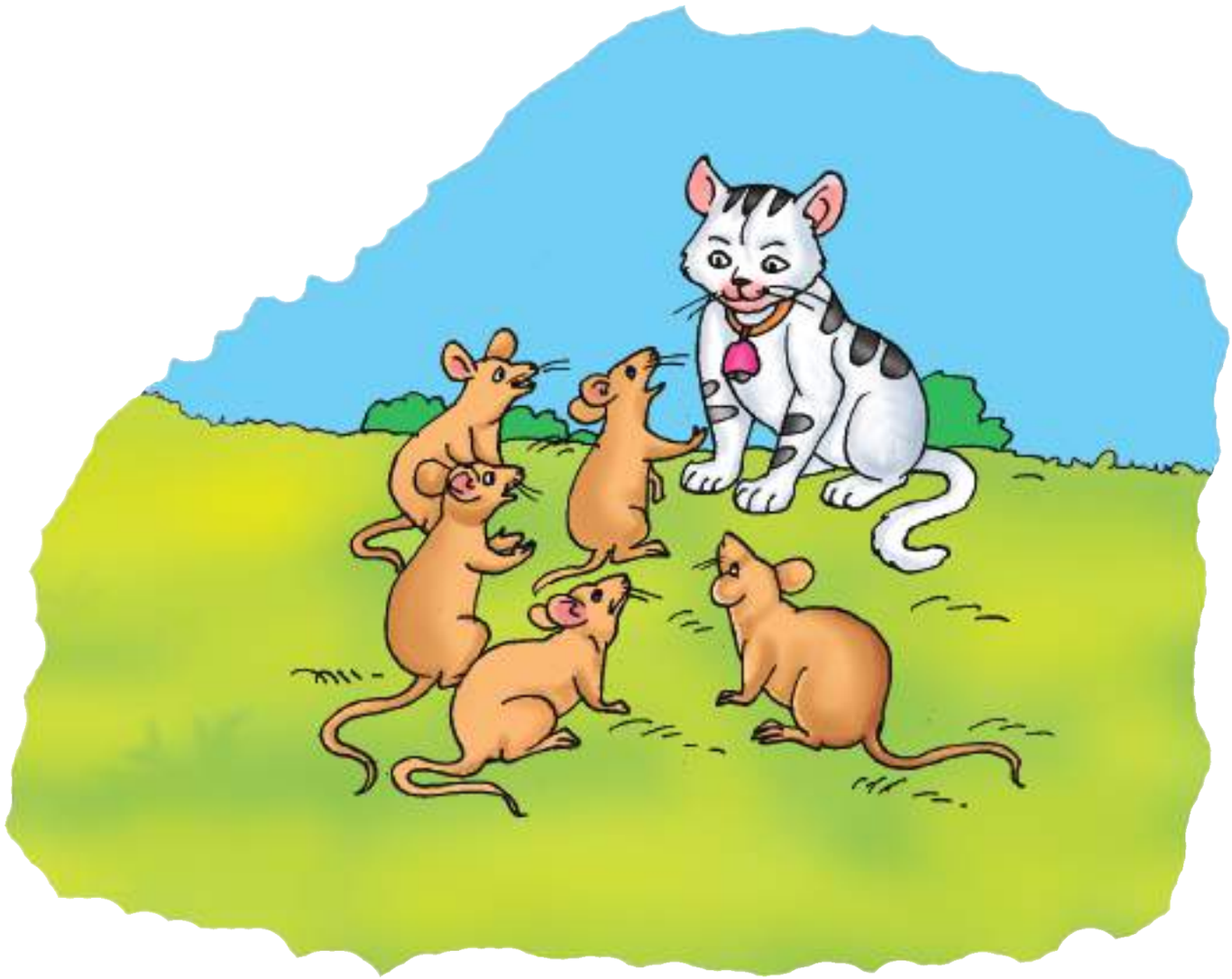

अभ्यास

6ZUYHJ

1- vkb,] 'kCnksa ds vFkZ tkusa&

- चतुर – चालाक/होशियार
- मूषक – चूहा/मूसा
- उपहार – भेंट
- अतिथि – मेहमान
- दिवस – दिन

2- dgkuh ls&

(क) चूहे क्यों दुखी थे?

(ख) निक्कू ने बिल्ली से बचने के लिए क्या उपाय सुझाया?

(ग) चूहों ने 'चूहा–दिवस' कैसे मनाया?

(घ) पूसी क्यों खुश थी?

3- vkidh ckr&

(क) यदि आपने चूहे और बिल्ली से संबंधित कोई कार्टून फिल्म या टी॰वी॰ कार्यक्रम देखा है, तो आपस में चर्चा करें ।

(ख) आपके विद्यालय में कौन–कौन से दिवस मनाए जाते हैं?

(ग) अपने आस–पास आपने चूहे व बिल्ली देखे होंगे । उनकी आवाज निकालें व अभिनय करें।

4- ¼d½ l|u] ckyk vkj fy[kk&

मूषक	____________	मुख्य	____________
अतिथि	____________	निक्कू	____________
योजना	____________	दिवस	____________

¼[k½ l|u vkj ckyk&

अंक, पंच, कंठ, संत, कंप

5- Hkk"kk dh ckr&

¼d½ vkb,] ;g Hkh tkus&

चूहा – चुहिया
बिलाव – ______________
मोर – ______________
शेर – ______________
ऊँट – ______________

¼[k½ ,d&vusd ¼n[k] le>] vkj fy[kk½

______ चूहा ______

______ चूहे ______

____

____

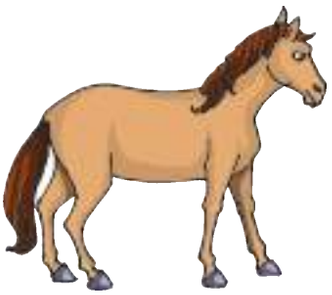

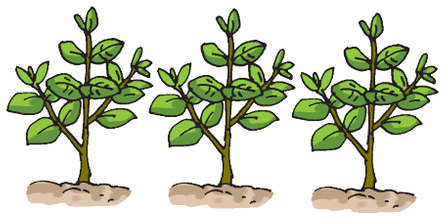

______________ ______________

______________ ______________

¼x½ jaxhu v{kjksa ls u;k ‘kCn cuk,&

रस्सी वितरण

______रवि______

हिचकी मकान

____

बिल्ली लकड़ी

____

नाक नीचे

____

चाय चीनी

____

दान दीन

____

f’k{kd d fy, – बच्चों को खेल–खेल में लिंग, वचन आदि का बोध कराएँ।

>ek&xkvk

बिल्ली बोली म्याऊँ,
मुझको हुआ जुकाम।
चूहे चाचा चूरन दे दो,
जल्दी हो आराम।
चूहा बोला, बतलाता हूँ,
एक दवा बेजोड़।
आगे से तुम चूहे खाना,
बिलकुल दोगी छोड़।

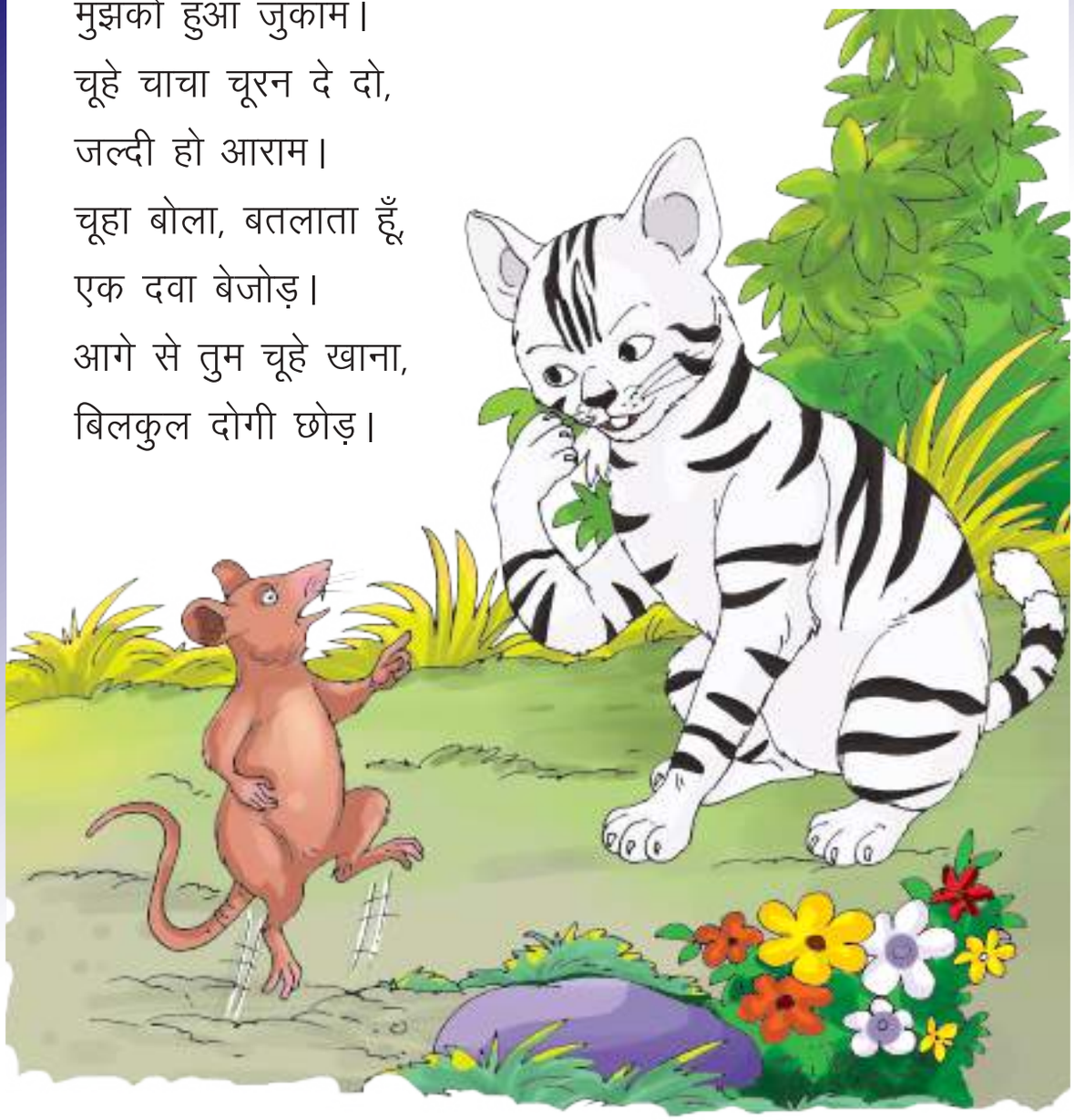

ikB 3

घड़े की बात

714UJ7

किसी गाँव में एक कुम्हार रहता था, जिसका नाम था–धनीराम। गाँव के लोग उसे धनिया कहते थे। वह मिट्टी के तरह–तरह के बर्तन, खिलौने आदि बनाता था। एक दिन उसने एक बड़ा–सा घड़ा बनाया। उसे सुंदर बेल–बूटों व रंगों से सजाया। घड़ा बहुत सुंदर बन गया। धनिया अपने बनाए हुए घड़े को देख–देखकर बहुत खुश हो रहा था। उसे देखते–देखते वह सो गया। सपने में उसने देखा– घड़े के पास पड़ी मिट्टी हिली और कहने लगी–

ओ घड़े! ओ घड़े! मैंने तुझे बनाया,

सुंदर रूप तुम्हारा, मुझसे ही है आया।

मिट्टी ने जब यह बात बार–बार दोहराई, तब पास में रखी बालटी का पानी छलका और कहने लगा–

मिट्टी रानी, मिट्टी रानी,

मेहनत सारी मेरी।

मैंने इसे बनाया, तुम थी,

धूल की बस एक ढेरी।

मिट्टी और पानी की बातें सुनकर चाक बोला–

तुम दोनों थे कीचड़–मिट्टी,

इस सच को लो जान।

बना घड़ा मेरे ही कारण,

बात यही लो मान।

मिट्टी, पानी और चाक की बातें सुनकर आग भी जोश में आकर बोली–

तुम सब बातें कच्ची करते,

कच्चा काम तुम्हारा।

तप कर मुझमें बना घड़ा यह,

असली काम हमारा।

धनिया ने सबकी बातें सुनी। वह बोला, सब चुप हो जाओ। चलो, घड़े से पूछते हैं, उसे किसने बनाया है?

घड़े ने जब यह प्रश्न सुना, वह बोला–

किसी एक का काम नहीं यह,

सबकी मेहनत सबका काम।

मिलजुल कर सब कर सकते हैं,

अच्छे–अच्छे, सुंदर काम।

यह बात सुनकर धनिया की आँख खुल गई।

उसने देखा– घड़े पर बने चित्र मुस्करा रहे हैं और मन ही मन कुछ कहने का प्रयास कर रहे हैं।

अभ्यास

71DQKU

1. आइए, शब्दों का अर्थ जानें:

- घड़ा – मटका
- जोश – उत्साह
- तपना – गर्म होना
- प्रयास – प्रयत्न/कोशिश

2. कहानी से:

(क) गाँव के लोग धनीराम को किस नाम से बुलाते थे?

____

(ख) घड़ा कैसे बनता है?

____

(ग) पानी ने क्या कहा?

____

(घ) आग ने क्या कहा?

____

3. आपकी बात:

(क) यदि आपको घड़ा बनाना पड़े तो आपको किन–किन चीजों की आवश्यकता होगी?

(ख) बर्तन के अलावा मिट्टी से आप और कौन–कौन सी चीजें बना सकते हैं?

4. चुनें और भरें:

(क) डाकिया ______________ बाँटता है। (चिट्ठी/मिठाई)

(ख) ______________ पेड़–पौधों की देखभाल करता है। (माली/डॉक्टर)

(ग) अध्यापक बच्चों को पाठ ______________ है। (नचाता/पढ़ाता)

(घ) सुनार ———————————— बनाता है। (गहने/बर्तन)

(ङ) ठठेरा ———————————— बनाता है। (घड़े/बर्तन)

5- fxu] ckyw vkj fy[k&

6- feyku dj&

माली

सुनार

कुम्हार

डॉक्टर

किसान

7- dku D;k dj jgk g\ fp= dk n[kdj okD; fy[k&

____

____

____

____

____

8- Hkk"kk dh ckr&

¼d½ l|u] ckys vkj fy[k&

डंडा ____________________

घड़ा ____________________

ठंडा ____________________

बड़ा ____________________

¼[k½ fuEufyf[kr okD;ks es ls js[kkfdr 'kCnks dk p;u djrs g|, lgh ?kM+s es Mkys&

1. कुम्हार सुंदर घड़े बनाता है।
2. लड़की झूला झूल रही है।
3. पेड़ पर चिड़ियाँ चहक रही हैं।
4. मुझे रंगीन चित्रों वाली पुस्तकें अच्छी लगती हैं।
5. घोड़ा हरी घास चाव से खाता है।

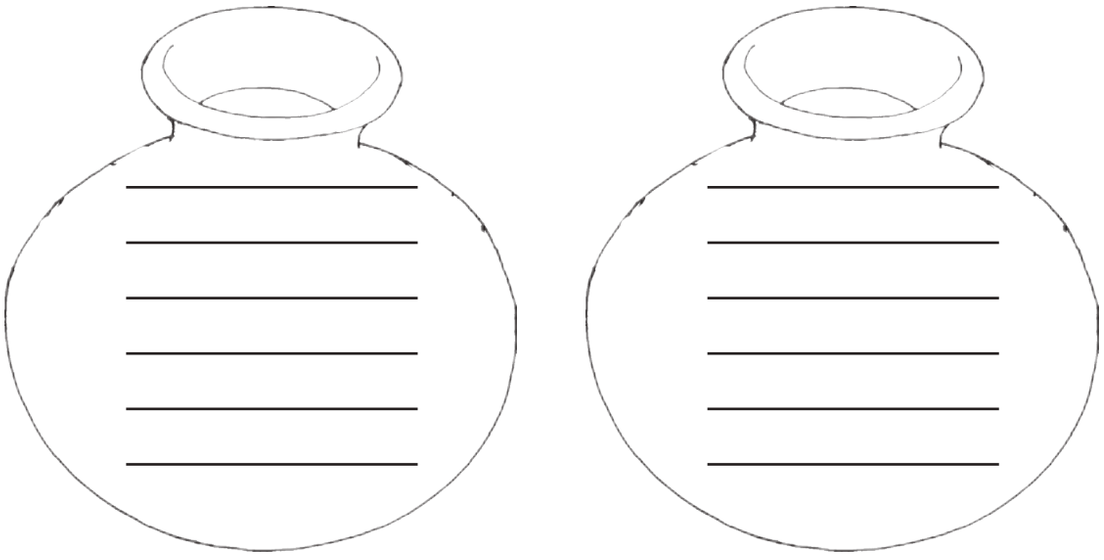

एकवचन का घड़ा

बहुवचन का घड़ा

f'k{kd d fy, – विद्यालय के आसपास यदि कोई पारंपरिक शिल्पकार हों, जैसे–कुम्हार, लुहार, बढ़ई तो उनके कार्यों का बच्चों को प्रत्यक्ष अवलोकन करवाएँ। बच्चों को मिट्टी के खिलौने स्वयं बनाने और उन्हें सजाने के लिए प्रेरित करें।

vkvk lh[k ¼;kx e|nk,½

n[k vkj dj&

पक्षियों से हमने पंख की भाँति बाँहें फैलाना सीखा।

वृक्षों से हमने तने की भाँति एक पैर पर सीधे खड़े होना सीखा।

कछुए से हमने अपने अंगों को सिकोड़कर बैठना सीखा।

पर्वत से हमने स्थिर रहना सीखा।

खरगोश से हमने झुकना और सजग रहना सीखा।

तितली से हमने घुटनों को ऊपर–नीचे करना सीखा।

शेर से हमने दहाड़ना सीखा।

साँप की तरह हमने शरीर को तानना सीखा।

f'k{kd d fy, – प्रार्थना सभा में बच्चों को योगासन का अभ्यास कराएँ तथा योग से संबंधित CD कक्षा में दिखाएँ।

ikB

4 तितली

71MLMH

दूर देश से आई तितली,
चंचल पंख हिलाती।
फूल–फूल पर, कली–कली पर,
इतराती, इठलाती।

कितने सुंदर पंख हैं इसके,
जगमग रंग–रंगीले।
लाल, बैंगनी, हरे बसंती,
काले, नीले, पीले।

बच्चों ने जब देखी इसकी,
खुशियाँ, खेल निराले।
छोड़–छाड़ कर खेल–खिलौने,
दौड़ पड़े मतवाले।

बच्चों के भी पर होते तो,
साथ–साथ उड़ जाते।
और हवा में उड़ते–उड़ते,
दूर देश हो आते।

अभ्यास

71WHP5

1- vkb,] ‘kCnk d vFk tku&

- चंचल – चपल, नटखट
- इतराना – नखरे दिखाना
- इठलाना – गर्व से झूमना
- निराले – अनोखे
- मतवाले – मस्त

2- dfork l&

(क) तितली कहाँ से आई?

____

(ख) तितली के पंख कैसे होते हैं?

____

(ग) तितली कहाँ इठलाती है?

____

(घ) बच्चे क्या देखकर दौड़ पड़े?

____

3- vkidh ckr&

(क) क्या आपने तितलियाँ देखी हैं? यदि हाँ? तो कहाँ?

(ख) यदि आपके पंख होते तो आप क्या करते?

4- lqu] cksy vkj fy[k&

चंचल	____________	बसंती	____________
खुशियाँ	____________	पंख	____________
तितलियाँ	____________	रंगीले	____________

5- feyku dj&

फूल–फूल पर
जगमग
कितने सुंदर
दौड़ पड़े

पंख है इसके
मतवाले
कली–कली पर
रंग–रंगीले

6- Hkk"kk dh ckr&

शब्द बनाएँ–

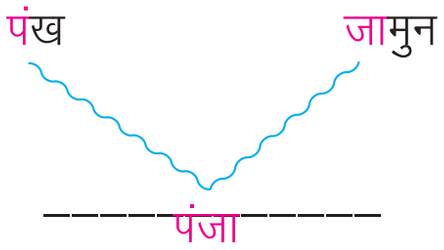

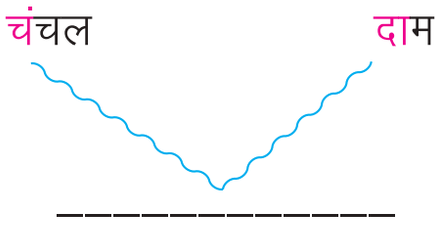

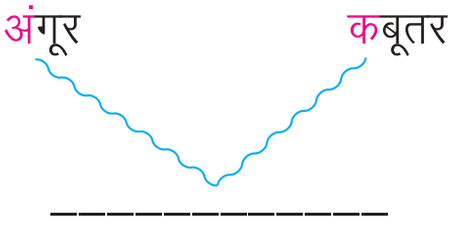

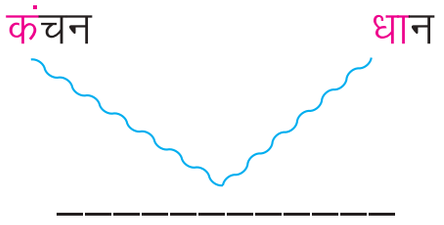

f'k{kd d fy, – लयबद्ध तरीके से कविता का वाचन करें तथा बच्चों को साथ–साथ बोलने को कहें। साथ ही बच्चों को तितली, भौंरे, मधुमक्खी आदि के बारे में अपनी बात रखने का अवसर देते हुए फूलों के साथ इनके संबंध के बारे में बताएँ।

ikB 5

संगति का फल

726DQS

एक राजा था। वह जंगल में घूमने गया। घूमते–फिरते वह रास्ता भूल गया। वहाँ उसे एक गुफा दिखाई दी। गुफा के पास बरगद का एक पेड़ था, जिस पर एक तोता रहता था। राजा को देखकर वह चिल्लाने लगा– पकड़ो–पकड़ो, मत जाने दो। पकड़ो–पकड़ो, मत जाने दो। तोते की यह बात राजा को अच्छी नहीं लगी। राजा आगे बढ़ गया। तोता कुछ दूर तक राजा के पीछे–पीछे उड़ता रहा।

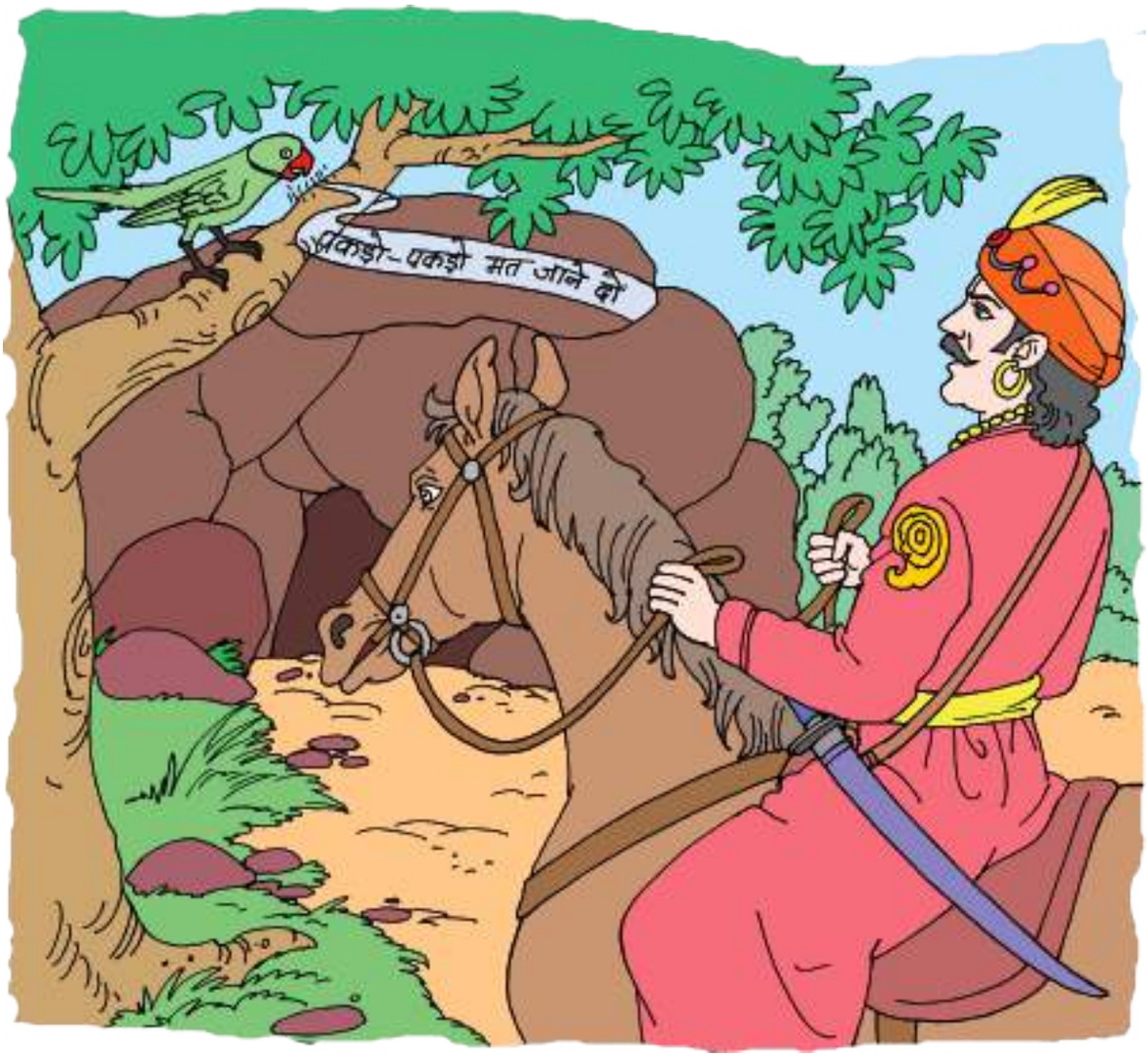

राजा एक आश्रम में पहुँचा। आश्रम बहुत ही सुंदर था। वहाँ भी उसे एक तोता मिला। राजा को देखकर वह मधुर एवं विनम्र आवाज में बोला– श्रीमान जी, आपका स्वागत है। बैठिए, पानी पीजिए और खाना खाइए। तोते की आवाज सुनकर कुटिया में से एक साधु बाहर आए। राजा ने साधु को प्रणाम किया। साधु ने राजा को आशीर्वाद दिया और आदर सहित बैठाया।

राजा ने साधु से पूछा– महोदय, आज मैंने दो तोते देखे। दोनों का स्वभाव अलग–अलग था। राजा की बात सुनकर साधु मुस्कुराया और बोला – यह संगति का फल है। दोनों तोते सगे भाई हैं। एक का नाम सुग्गा है। दूसरे का नाम फुग्गा है। वे दोनों मेरे पास ही थे। फुग्गा को डाकू ले गए। वह उनके साथ रहता है, उनकी बोली बोलता है। सुग्गा मेरे साथ रहता है। मेरी बोली बोलता है। यह सुनकर राजा बोला– मैं समझ गया, संगति का फल क्या होता हैं?

अभ्यास

72F9SF

1- vkb,] ‘kCnk d vFk tku&

- संगति – साथ
- कुटिया – झोंपड़ी
- प्रणाम – नमस्कार
- मधुर – मीठी
- फल – परिणाम
- मतवाले – मस्त

2- ikB l &

(क) राजा घूमने के लिए कहाँ गया?

————————————————————————————————

(ख) गुफा के पास राजा क्यों नहीं रुका?

————————————————————————————————

(ग) किसने, राजा का आदर–सत्कार किया?

————————————————————————————————

(घ) इस घटना से राजा ने क्या सीखा?

————————————————————————————————

3- vkidh ckr&

(क) सुग्गा और फुग्गा में से आपको किसकी बात अच्छी लगी और क्यों ?

(ख) दोनों तोतों में से आप किसके जैसा बनना पसंद करेंगे ?

4- ikB d vkèkkj ij lgh ¼√½ ;k xyr ¼×½ dk fu’kku yxk,¡&

(क) गुफा के पास बरगद का एक पेड़ था। ☐

(ख) पहला तोता राजा को देखकर मीठी आवाज में बोला। ☐

(ग) साधु ने राजा को प्रणाम किया।

(घ) फुग्गा को डाकू ले गए।

5- lgh 'kCnk dk p;u djd [kkyh LFkku Hkj&

आशीर्वाद	आश्रम	स्वभाव	अच्छी संगति

(क) ———————— का फल अच्छा होता है।

(ख) चलते–चलते राजा एक ———————— में पहुँचा।

(ग) दोनों तोतों का ———————— अलग–अलग था।

(घ) साधु ने राजा को ———————— दिया।

6- i<] cky vkj fy[k&

आशीर्वाद ———————— श्रीमान ————————

प्रणाम ———————— आश्रम ————————

विनम्र ———————— संगति ————————

7- Hkk"kk dh ckr&

मिलते–जुलते शब्द लिखें–

- चलते–चलते
- ————————
- ————————
- ————————
- ————————
- ————————

8- jax Hkj&

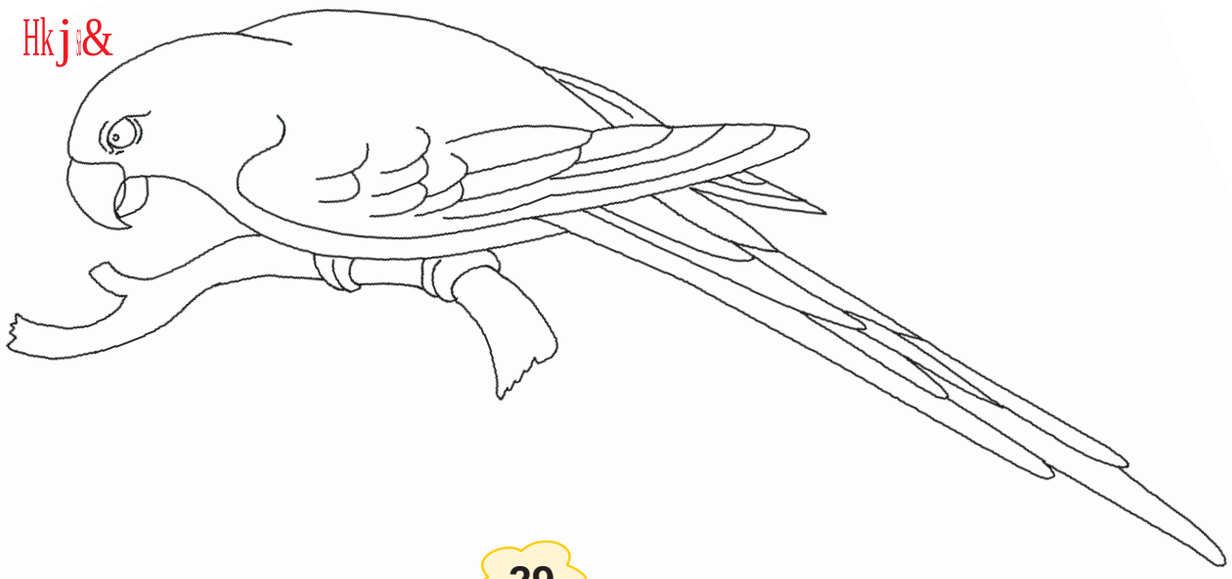

[ksy xhr ¼dqN vkSj i<sa+½

आसमान की लाल परी,
ऊपर से नीचे उतरी।
नए–नए उपहार सजाकर,
सपनों का संसार बसाकर।
खेल–खिलौने और मिठाई,
सबके लिए वह लेकर आई।

vkiu fdruk lh[kk

1- fuEufyf[kr i'uk d mÙkj fn, x, ckDl e fy[k&

- किसकी बोली सबसे मीठी लगती है?

कबूतर | तोता | कोयल |

- डाकिया बाँटता है–

मिठाई | कपड़े | पत्र |

- राजा का आदर करने वाला तोता, किसके साथ रहता था?

साधु के | डाकू के | चोर के |

2- lgh 'kCn NkVdj ckDl e fy[k&

- अतिथि का अर्थ है–

तारीख | मेहमान | अनजान |

- 'इतराना' का अर्थ है–

तैरना | हँसना | नखरे दिखाना |

- 'संगति' का अर्थ है–

साथ | चाल | गीत |

3- lgh ‘kCn NkVdj fy[kk&

- तितलियाँ   तीतलियाँ   ___________
- घोड़ा   घोडा   ___________
- दहाड़ना   धहाड़ना   ___________
- मीट्टी   मिट्टी   ___________

4- lgh ‘kCn pqudj [kkyh LFkku es fy[kk&

- बुरी संगति का फल ___________ होता है। (अच्छा/बुरा)
- हमारे भी ___________ होते, तो हम हवा में उड़ते। (पंख/हाथ)
- कुम्हार सुंदर ___________ बनाता है। (कपड़े/घड़े)
- चूहों ने ___________ पर बिल्ली को बुलाया। (बालदिवस/चूहा दिवस)

5- i<] le> vkj fy[kk&

- एक छाता अनेक ____________________
- एक लड़का अनेक ____________________
- एक पुस्तक अनेक ____________________
- एक पत्ता अनेक ____________________

ikB 6

बूझो तो जानें

72P5U3

1. गोल–गोल लोहे की बनाई,
   दोनों कान लिए गोलाई।
   कान पकड़कर मुझे उठाओ,
   हलवा पूरी सभी बनाओ।

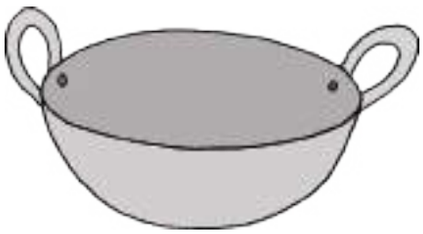

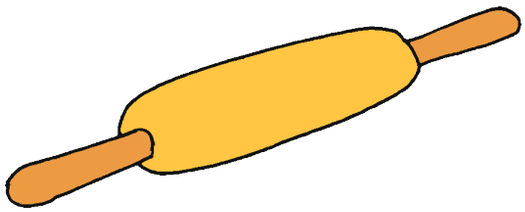

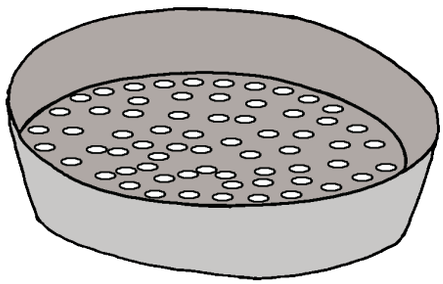

2. गोल है बच्चो मेरा घेरा,
   गोल–गोल हैं छेद अनेक।
   हाथ हिलाने से मैं हिलता,
   चावल गेहूँ छँटता देख।

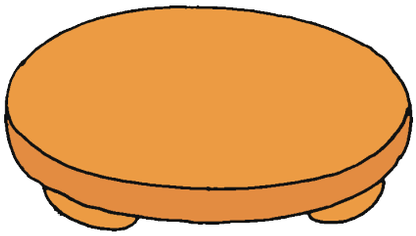

3. मैं ठहरा छलनी का भाई,
नहीं डरूँ हो गरम कड़ाही।
फौरन घी में डुबकी खाऊँ,
पूरी गरम–गरम खिलाऊँ।

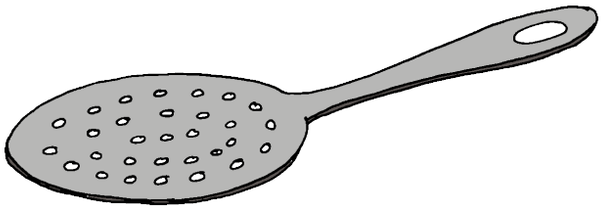

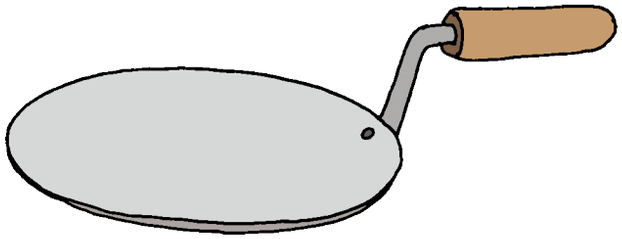

4. काला–काला सा निराला,
पड़ता सबका मुझसे पाला।
झटपट रोटी गरम पकाऊँ,
नन्हे–मुन्नों को खिलाऊँ।

5. लकड़ी की मैं बनती हूँ,
दही बिलोना मेरा काम।
छाछ से मक्खन अलग करूँ मैं,
उसके बाद करूँ आराम।

अभ्यास

72Y1VQ

1- vkb,] 'kCnksa dk vFkZ tkusa&

- घेरा – फैलाव
- फौरन – तुरंत
- निराला – अनोखा
- बिलोना – मथना
- झटपट – तुरंत
- मतवाले – मस्त

2- ikB ls&

(क) रोटी किस पर बनाई जाती है ?

____

(ख) छलनी का भाई किसे कहा गया है?

____

(ग) दही किससे बिलोते हैं?

____

(घ) चावल और गेहूँ को छानने का काम कौन करता है?

____

(ङ) कड़ाही के कानों का आकार कैसा है?

____

3- vkidh ckr&

(क) आपके घर में हलवा कौन से बर्तन में बनता है?

(ख) छलनी का प्रयोग आपके घर में किन–किन कार्यों में किया जाता है?

(ग) आपकी माँ मक्खन कैसे निकालती है?

4- i<] cky; vkj fy[k&

गोलाई	______________	बच्चों	______________
गेहूँ	______________	कड़ाही	______________
डुबकी	______________	खट्टा	______________

5- lkp; vkj fy[k&

(क) कान पकड़ कर मुझे उठाओ,
____

(ख) हाथ हिलाने से मैं हिलता,
____

(ग) फौरन घी में डुबकी खाऊँ,
____

(घ) लकड़ी की मैं बनती हूँ,
____

6- Hkk"kk dh ckr&

इनको क्या कहते हैं–

1. लोहे का सामान बनाने वाला ________________
2. मिट्टी से बर्तन बनाने वाला ________________
3. लकड़ी का सामान बनाने वाला ________________
4. बाल काटने वाला ________________
5. कपड़े सिलने वाला ________________
6. इलाज करने वाला ________________
7. खेती करने वाला ________________

f'k{kd d fy, – बच्चों को दैनिक जीवन में प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं से संबंधित पहेलियाँ अपने दादा–दादी, नाना–नानी व अन्य से पूछकर/जानकर कक्षा में सुनाने को कहें।

ikB 7

मित्र सदा पेड़ों को मानें

7E3EAM

पेड़ों की भाषा पहचानें,
मित्र सदा पेड़ों को मानें।
इन्हें खाद और पानी दें हम,
इनको धूप सुहानी दें हम,
तंग न इनको करना जानें,
मित्र सदा पेड़ों को मानें।

ओषधि, लकड़ी, फल देते ये,
छाँव हमें शीतल देते ये,
दुनिया में ये गुण की खानें,
मित्र सदा पेड़ों को मानें।

हवा शुद्ध ये हमको देते,
बदले में ये कुछ न लेते,
इन पर कवच सुरक्षा तानें,
मित्र सदा पेड़ों को मानें।

पेड़ों की है महिमा न्यारी,
पेड़ों से महके फुलवारी,
पेड़ों का गुणगान बखानें,
मित्र सदा पेड़ों को मानें।

—घमंडीलाल अग्रवाल

अभ्यास

1. आइए, शब्दों का अर्थ जानें

- ओषधि – जड़ी–बूटी
- न्यारी – सबसे अलग
- महिमा – बड़ाई
- शीतल – ठंडा
- सदा – हमेशा
- मतवाले – मस्त

2. कविता से

(क) पेड़ों से हमें क्या–क्या मिलता है?

____

(ख) पेड़ को हम मित्र क्यों मानते हैं?

____

3. आपकी बात

(क) आपके विद्यालय में कौन–कौन से पेड़ हैं? सूची बनाएँ।

(ख) नीम के पेड़ से आप क्या–क्या लाभ उठाते हैं?

4. पढ़ो, बोलो और लिखो

शुद्ध ____________

ओषधि ____________

शीतल ____________

सुरक्षा ____________

गुणगान ____________

5- leg e vyx 'kCn ij xksyk yxk,&

(क) पेड़ों के लिए आवश्यक नहीं है – खाद जल धूप दूध

(ख) पेड़ हमें नहीं देते हैं – ओषधि नल लकड़ी फल

(ग) पेड़ नहीं है – नीम पीपल शीशम मक्खन

(घ) पेड़ के भाग नहीं हैं – जड़ तना कागज पत्ते

6- lkp vkj fy[k&

(क) पेड़ों की ———————— पहचानें।

(ख) ———————— गुण की खानें।

(ग) हवा शुद्ध ———————— देते।

(घ) ———————— फल देते ये।

7- Hkk"kk dh ckr&

चित्रों को देखकर उनके सामने एक/अनेक लिखें–

———एक गाय——— ———————— ————————

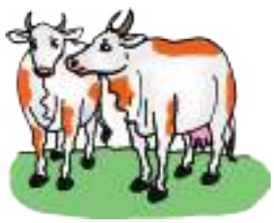

———————— ———————— ————————

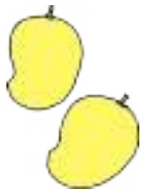

_____________ _____________ _____________

8- vc vkbl djus dh ckjh&

- अपने विद्यालय में एक पेड़ लगाएँ और प्रतिदिन उसकी देखभाल करें।
- क्या आपने कभी किसी पेड़ से बात की है? यदि हाँ, तो अपने साथियों के सामने पेड़ से भी बात करके देखें।

9- ¼d½ eq>s er dkVks
jax Hkjks&

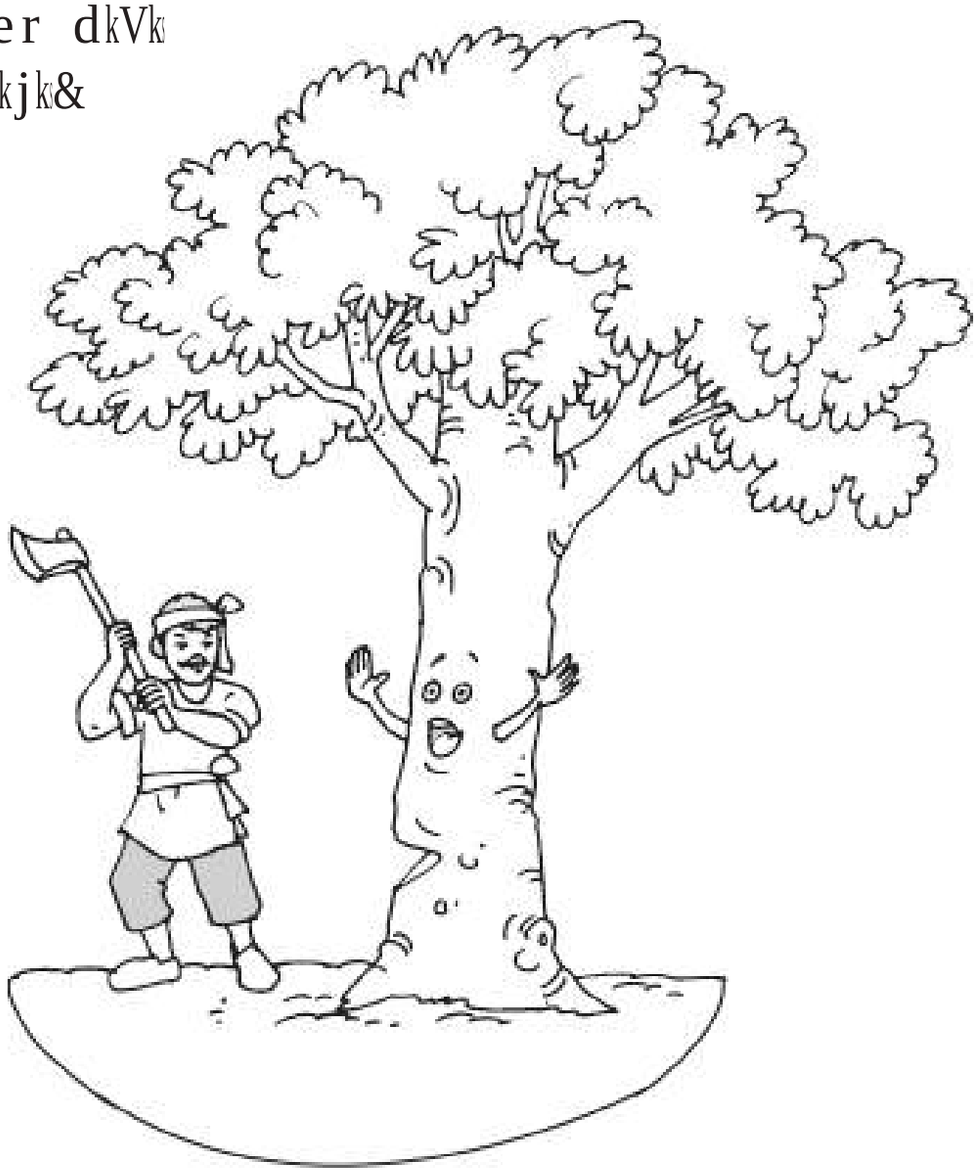

ikB 8

भाई को पत्र

7EL6DX

प्रिय भाई यश,

गुड़गाँव

नमस्ते।

दिनांक– 15–08–2014

आज 15 अगस्त है। हमारा स्वतंत्रता दिवस। हमारे विद्यालय में एक उत्सव मनाया गया, जिसमें कविता–पाठ, भाषण, एकल–गान, समूह–गान, समूह–नृत्य आदि कार्यक्रम हुए। इसके अलावा खेलों का भी आयोजन हुआ। खेलों में लूडो, कैरम, साँप–सीढ़ी, दौड़ और खो–खो आदि शामिल थे। मैंने कविता–पाठ और कैरम में भाग लिया।

इस दौरान एक विशेष घटना घटी, जिसके बारे में मैं तुम्हें बताना चाहती हूँ। खेलों में एक दौड़ प्रतियोगिता विशेष आवश्यकता

वाले बच्चों के लिए भी थी। इस प्रतियोगिता में सात बच्चों ने भाग लिया। दौड़ते समय उनमें से एक लड़की गिर पड़ी। इसके बाद जो हुआ, वह हैरान करने वाला था। अचानक दौड़ थम गई। सारे बच्चे जो दौड़ में आगे थे या पीछे, सभी उस लड़की के पास आ गए और उसे संभाला। लड़की को कोई चोट नहीं आई थी। यह देखकर, उसे साथ लेकर सभी बच्चे दोबारा दौड़ने लगे।

उत्सव के अंत में हमारे मुख्याध्यापक ने इस घटना के बारे में कहा – खेल में बच्चे प्रायः स्वयं जीतने की कोशिश में रहते हैं, लेकिन इन बच्चों ने अपने साथी को साथ लेकर चलने का उदाहरण प्रस्तुत किया है। आज इस दौड़ में सभी बच्चों की जीत हुई है। तुम भी मुझे पत्र में लिखना कि तुम्हारे विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस कैसे मनाया गया?

तुम्हारी बहन,

वैशाली

अभ्यास

7EV2FK

1- vkb,] 'kCnksa dk vFkZ tkusa&

- उत्सव – त्योहार
- आवश्यकता – जरूरत
- स्वतंत्रता – आजादी
- उदाहरण – नमूना
- मतवाले – मस्त

2- ikB ls&

(क) यश को पत्र किसने लिखा?

____

(ख) स्वतंत्रता दिवस के दौरान कौन–कौन से कार्यक्रम हुए?

____

(ग) वैशाली ने किस–किस कार्यक्रम में भाग लिया?

____

(घ) उत्सव वाले दिन क्या विशेष घटना घटी?

____

3- vkidh ckr&

(क) आप अपने विद्यालय में किन–किन कार्यक्रमों में भाग लेते हैं?

(ख) आपके विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस कैसे मनाया जाता हैं? अपने शब्दों में बताएँ।

(ग) आपका प्रिय खेल कौन सा है, और क्यों?

4- i<] ckyk vkj fy[k&

उत्सव ____________________

कार्यक्रम ____________________

नृत्य ____________________

आवश्यकता ____________________

मुख्याध्यापक ____________________

5- lgh feyku dj&

15 अगस्त	बाल दिवस
2 अक्तूबर	शिक्षक दिवस
26 जनवरी	स्वतंत्रता दिवस
14 नवंबर	गाँधी जयंती
5 सितंबर	गणतंत्र दिवस

6- uhp fn, x, okD;k d lkeu lgh¼✓½ o ¼×½ dk fu'kku yxk,&

(क) स्वतंत्रता समारोह में समूह गान एवं समूह नृत्य आयोजित हुए । ☐

(ख) वैशाली ने अपनी बहन को पत्र लिखा। ☐

(ग) स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को मनाया जाता है। ☐

(घ) समारोह के दौरान हॉकी का खेल आयोजित किया गया। ☐

(ङ) दौड़ के दौरान एक लड़की गिर पड़ी। ☐

7- Hkk"kk dh ckr&

यदि संतरा, केला, पपीता और आम फल हैं। तो–

uhp fy[kh phtk d leg dk D;k dgr g\ fy[k&

नाम

(क) लड्डू, पेड़ा, जलेबी, घेवर, बालूशाही, बर्फी _____

(ख) आलू, गोभी, करेला, भिंडी, टमाटर, मिर्च _____

(ग) कुर्ता, धोती, सलवार, दुपट्टा, पगड़ी, घाघरा _____

(घ) पंचकूला, सिरसा, जींद, पलवल, करनाल, रोहतक _____

(ङ) कोयल, कौआ, बुलबुल, मोर, गौरैया, तोता _____

(च) गाय, बैल, भैंस, ऊँट, बकरी, भेड़ _____

8- jx Hkj&

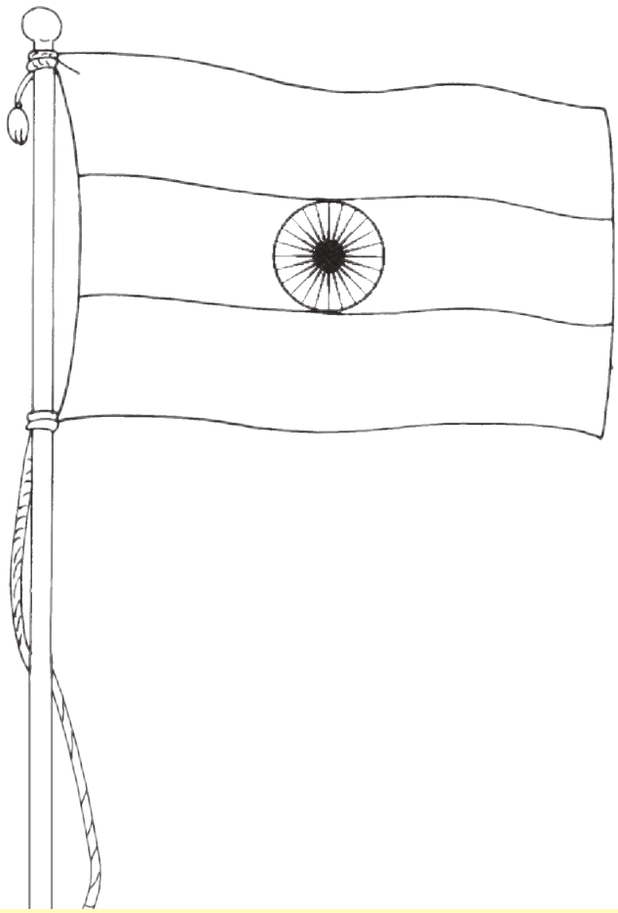

f'k{kd d fy, – बच्चों से कविता– पाठ, भाषण, एकल–गान, समूह–गान व समूह–नृत्य आदि का अभ्यास कराएँ।

मेरी बहना (कुछ और पढ़)

मेरी प्यारी–प्यारी बहना,
मानो पूरे घर का गहना।
दिन भर माँ का हाथ बँटाती,
संग पिता के हँसती–गाती।
प्यार बहुत भैया को करती,
सखियों की वह पीड़ा हरती।
सभी पड़ोसी उसको चाहें,
वह आसान बनाती राहें।
अच्छा है उस जैसा होना,
हँसी–खुशी के सपन संजोना।

–घमंडीलाल अग्रवाल

ikB 9

भोलू की भूल

7F4XH8

एक हरा–भरा बाग था। बच्चे प्रतिदिन बाग में खेलने जाते थे। वहाँ दिखने वाले पशु –पक्षियों को वे प्यार से किसी न किसी नाम से पुकारते थे। एक दिन अचानक बच्चों की नजर एक मोर पर पड़ी, जो अपने पंख फैला कर नाच रहा था। नाचते हुए उसका एक पंख टूट कर गिर गया। पास ही पेड़ पर एक कौआ बैठा था, जिसे बच्चे भोलू कहकर बुलाते थे। भोलू को मोर का नाच बहुत अच्छा लगा।

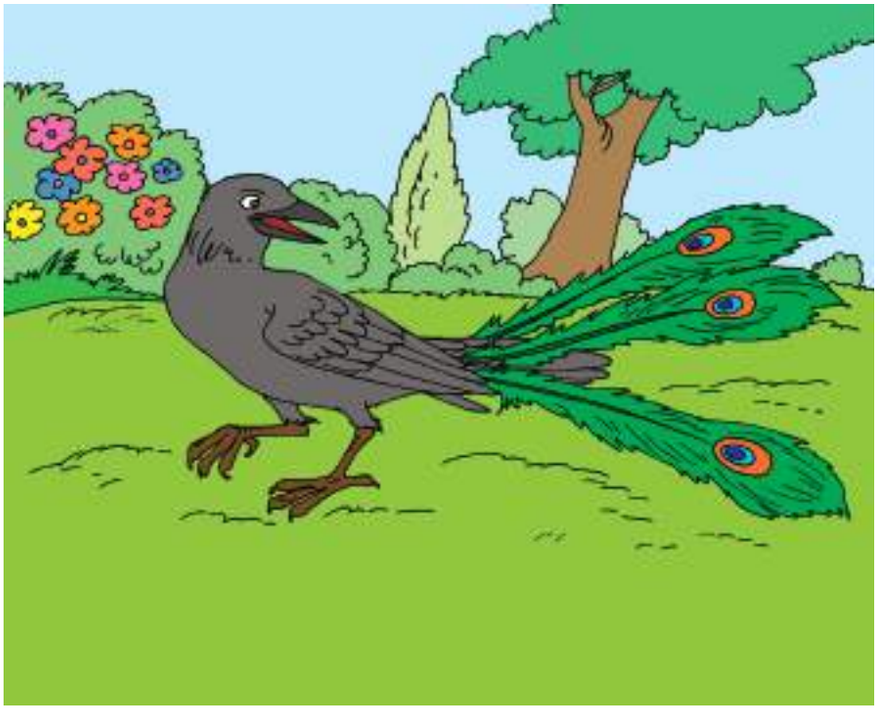

मोर नाचकर वहाँ से चला गया। भोलू पेड़ से नीचे आया। उसने मोर का पंख उठा लिया। रंग– बिरंगे पंख पर एक छोटा सा चाँद भी था। मोर का पंख लगाकर भोलू सोचने लगा–अहा! मैं कितना सुंदर लग रहा हूँ। मैं तो मोर बन गया!

वह गाने व नाचने लगा–

कोई कहे ना मुझको कौआ ।

मैं हूँ मोर, मैं हूँ मोर।

भोलू घूमने निकला। उसके साथी कौओं ने उसे बुलाया पर वह उनके पास नहीं गया और बोला– मैं कौआ नहीं हूँ, मैं मोर हूँ।

यह सुनकर सभी कौए उस पर हँसने लगे, फिर भोलू मोरों के पास पहुँचा। मोर उसे देखकर बोले–

मोर नहीं तुम, कौए हो,

यहाँ से जाओ, यहाँ से जाओ।

भोलू ने पंख दिखाते हुए कहा– मैं मोर हूँ। उसकी बात सुनकर मोर हँस पड़े। मोरों ने उसे चोंच मारकर भगा दिया। भोलू बहुत दुखी हुआ। वह अपने मित्रों के पास गया। उन्होंने भी उसे चोंच मारकर भगा दिया। हारकर भोलू ने पंख निकालकर फेंक दिया, फिर वह कौओं से बोला– मुझे माफ कर दो, मैं मोर नहीं हूँ। मैं तो तुम्हारा मित्र कौआ हूँ। सब कौओं ने कहा–फिर कभी अपने साथियों को छोड़कर मत जाना।

अभ्यास

7FDTIV

1- vkb,] ‘kCnk d vFk t ku&

- प्रतिदिन – हर रोज़
- बाग – बगीचा
- कोशिश – प्रयत्न
- बहुत – अधिक

2- ikB l&

(क) भोलू को किसका पंख मिला?

____

(ख) भोलू ने पंख का क्या किया?

____

(ग) भोलू नाचते हुए क्यों गाने लगा?

____

____

(घ) कौए भोलू से किस कारण नाराज थे?

____

____

(ङ) किसने, किससे माफी माँगी?

____

____

3- vki dh ckr&

(क) आपने मोर के पंख पर कौन–कौन से रंग देखे हैं?

(ख) आपको कौन–सा पक्षी सबसे अच्छा लगता है और क्यों?

(ग) यदि आपको मोर का पंख मिल जाए तो आप उसका क्या करेंगे?

4- lgh 'kCn pudj [kkyh LFkku e fy[k&

कौआ	चोंच	बाग	चाँद	दुखी

(क) एक हरा–भरा ---------- था।

(ख) पास ही पेड़ पर ---------- बैठा था।

(ग) रंग–बिरंगे पंख पर एक छोटा सा ---------- भी था।

(घ) मोरों ने उसे ---------- मारकर भगा दिया।

(ङ) कौआ बहुत ---------- हुआ।

5- lu] cky vkj fy[k&

पंख ---------------------

चोंच ---------------------

रंग–बिरंगे ---------------------

चाँद ---------------------

हँसना ---------------------

हंस ---------------------

6- Hkk"kk dh ckr&

सोचें और उलटे अर्थ वाले शब्द लिखें–

दुखी -----सुखी-----

अच्छा ---------------

ऊपर ---------------

दिन ---------------

हँसना ---------------

मित्र ---------------

7- bUg] bud ?kj igpk,&

चिड़िया

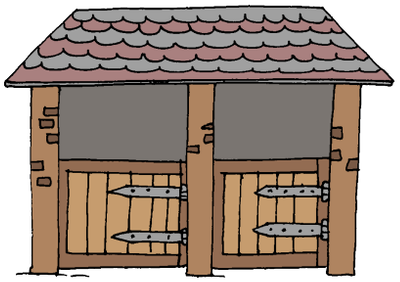

मुर्गी

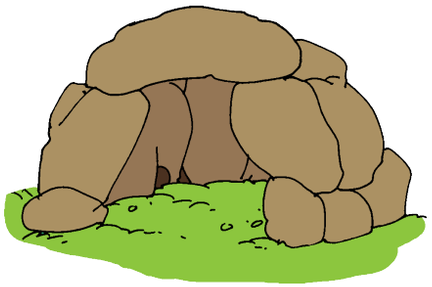

तोता

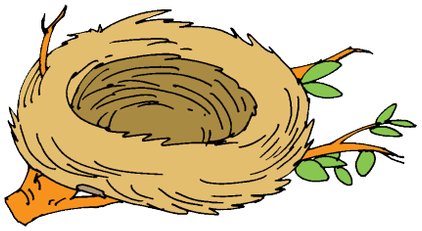

घोड़ा

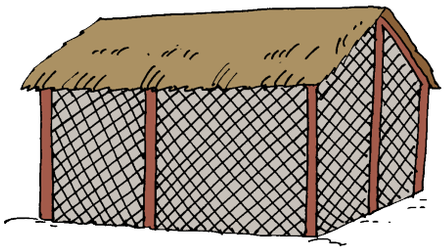

शेर

ikB 10

खुद को जानें

7FMPKI

आओ हम सब खुद को जानें,
भला–बुरा अपना पहचानें।
देखो मेरा तन है एक,
किंतु इसके अंग अनेक।

एक चेहरा और दो हैं कान,
सुनते सब कुछ देकर ध्यान।
दो आँखें इतनी अनमोल,
भले बुरे को देती तोल।

मुँह से करते प्यारी बात,
नाक साँस लेती दिन–रात।
दाँत चबाते हैं भोजन,
ताकत पाता जिससे तन।

रसना देती उनका साथ,
खाकर रोटी, दाल और भात।
माथा, ठोड़ी, होंठ और गाल,
सिर पर चमकें काले बाल।

दो हाथों ने किया कमाल,
दो पैरों की सुंदर चाल।
जिनका सुंदर स्वच्छ शरीर,
चमकेगी उनकी तकदीर।

अभ्यास

1- vkb,] ‘kCnk d vFk t ku&

- खुद – अपने आप
- तन – शरीर
- अंग – शरीर का भाग
- ताकत – बल
- रसना – जीभ
- स्वच्छ – साफ
- बहुत – अधिक

2- dfork l &

(क) कविता में अनमोल अंग किसे कहा गया है?

____

(ख) भोजन चबाकर खाने से क्या–क्या लाभ होते हैं?

____

(ग) हम साँस किससे लेते हैं?

____

3- vki dh ckr&

(क) प्रातः उठकर आप क्या–क्या करते हैं?

(ख) शरीर के अंगों की साफ–सफाई के लिए आप क्या करते हैं? क्या इसके लिए अपने माता–पिता की भी सहायता लेते हैं?

(ग) आँखें खुली होने पर तो आप सभी चीजों को पहचान लेते हैं परंतु आँखें बंद करने पर आप क्या–क्या पहचान सकते हैं?

4- i<] ckyk vkj fy[k&

आँखें	————————	अनमोल	————————
मुँह	————————	सुंदर	————————
अंग	————————	शरीर	————————

5- feyku dj&

नाक	देखना
कान	सुनना
आँख	चखना
पैर	काम करना
जीभ	चलना
हाथ	चबाना
दाँत	सूँघना

6- jax Hkj&

प्रत्येक गुब्बारे में लिखे वर्ण को पहचान कर बताया गया रंग भरें–

क्ष – लाल
त्र – हरा
ज्ञ – पीला
श्र – नीला

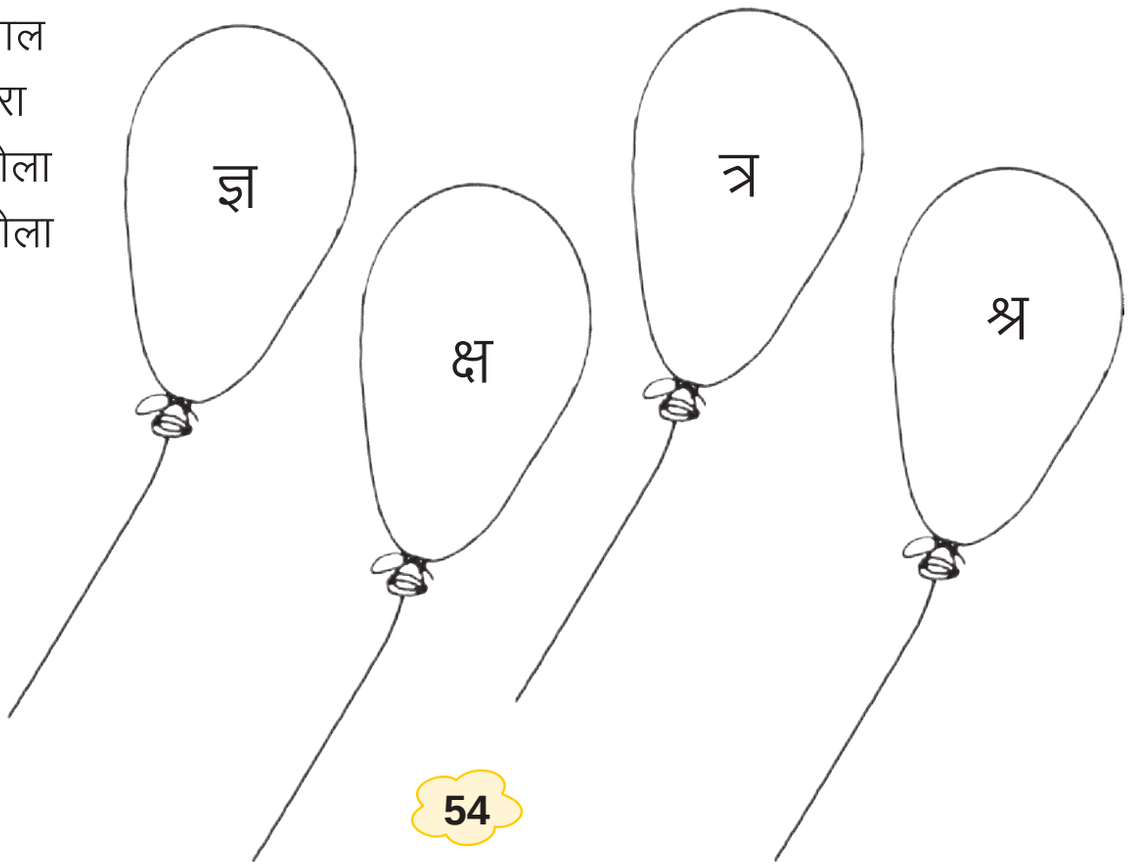

vkius fdruk lh[kk

1- lgh ‘kCn NkaVdj fy[ks&

- गोलाई   गुलाई   ____________
- कढ़ाई   कड़ाई   ____________
- ओषधि   ओसधि   ____________
- सवतंत्र   स्वतंत्र   ____________

2- lgh vFkZ ij xksyk yxk,¡&

- उत्सव – त्योहार / खुशी
- निराला – नीरस / अनोखा
- प्रतिदिन – दूसरे दिन / हररोज
- स्वच्छ – साफ़ / अच्छा

3- uhps fy[ks okD;ka'kksa dk fy, ,d ‘kCn fy[ks&

- खेती करने वाला ____________________
- लकड़ी का सामान बनाने वाला ____________________

4- lgh ‘kCn dk iz;ksx djrs gq, [kkyh LFkku Hkjsa&

- मोर नाचता है, __________ नाचती है।
- लड़का खेलता है, __________ खेलती है।

5- fuEufyf[kr i'uk d mÙkj fy[k&

- भोलू को किसका पंख मिला?

  _____

- पेड़ों से मिलने वाली दो चीज़ों के नाम लिखें।

  _____

- 'खुद को जानें' कविता में अनमोल अंग किसे बताया गया है?

  _____

6- lgh dFku d lkeus ¼✓½ o xyr d lkeus ¼✗½ dk fu'kku yxk,&

- वैशाली ने अपनी बहन को पत्र लिखा। ☐
- स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को मनाया जाता है। ☐

7 *vPNk* dk myVk 'kCn gksrk g& *cjk*A bud myV vFk oky 'kCn fy[k&

- मित्र _____
- दिन _____

g¡lh d xqyxqy ¼dN vkj i<½

1. ek¡ – देखो मोहन, तुम हर काम अपनी इच्छा से कर दिया करते हो। भविष्य में तुम काम करने से पहले पूछ लिया करो।
   अच्छा माँ!
   कुछ देर बाद मोहन कमरे में आकर बोला–माँ! बिल्ली दूध पी रही है। क्या करूँ? क्या उसे हटा दूँ?

2. feBkbZ okyk – आलू लो, आलू लो।
   , d vkneh – अरे, आप तो जलेबी बेच रहे हो! फिर ये आलू लो, आलू लो क्यों बोल रहे हो?
   feBkbZ okyk – अरे साहब! यदि मैं जलेबी लो, जलेबी लो कहूँगा तो मक्खियाँ नहीं आ जाएँगी!

3. vè;kid : उल्लू कहाँ रहता है?
   cPpk : घोंसले में।
   vè;kid : गधा!
   cPpk : धोबी के घर।
   vè;kid : बेवकूफ!
   cPpk : यह कौन सा जानवर है, सर? मुझे नहीं मालूम।

4. ek¡ – रात को अलमारी में दो लड्डू रखे थे, एक कैसे रह गया?
   cVh – अंधेरे के कारण मुझे दूसरा दिखाई नहीं दिया।

5. nhnh : बताओ मुन्नी, गंगा कहाँ से निकलती है?
   eUuh : दीदी, वह अपने घर से निकलती है और सीधे स्कूल चली जाती है।

ikB

11 स्वच्छता पसंद बापू

7G6GNT

बापू सफाई पर बहुत ध्यान देते थे। ठाट–बाट की परवाह न करते थे। वे चाहते थे कि हर व्यक्ति स्वच्छ रहे और उसके काम में सफाई हो। एक दिन शाम को वे घूमने जा रहे थे। उन्होंने एक बच्चे को सड़क पर देखा। वह मैले कपड़े पहने हुए था। गाँधी जी ने अपने एक साथी से कहा कि उस बच्चे के गंदे कपड़े ले आओ और उसे यकीन दिला दो कि वे उसे दूसरे दिन वापस दे दिए जाएँगे। बच्चा इस बात के लिए बिलकुल तैयार नहीं हो रहा था, परंतु उसे समझाकर और फुसलाकर उससे कपड़े ले लिए गए। दूसरे दिन जब बापू घूमने निकले तो वे लड़के के धुले कपड़े, खादी के कुछ नए कपड़े, साबुन व खाने की चीजें अपने साथ ले गए और लड़के को दे दिए। उससे अगले दिन भी लड़का उत्सुकतावश उसी जगह खड़ा था। बापू उसके पास गए, उसे प्यार किया और कहा ''कल साबुन से नहा–धोकर और साफ कपड़े पहन कर आना, फिर कुछ और खाने को दिया जाएगा।'' उसके बाद बापू शाम को जब कभी उधर से घूमने निकलते थे तब वह बच्चा साफ कपड़े पहनकर वहाँ खड़ा होता था और उन्हें नमस्कार करता था।

– पुरुषोत्तमदास टंडन

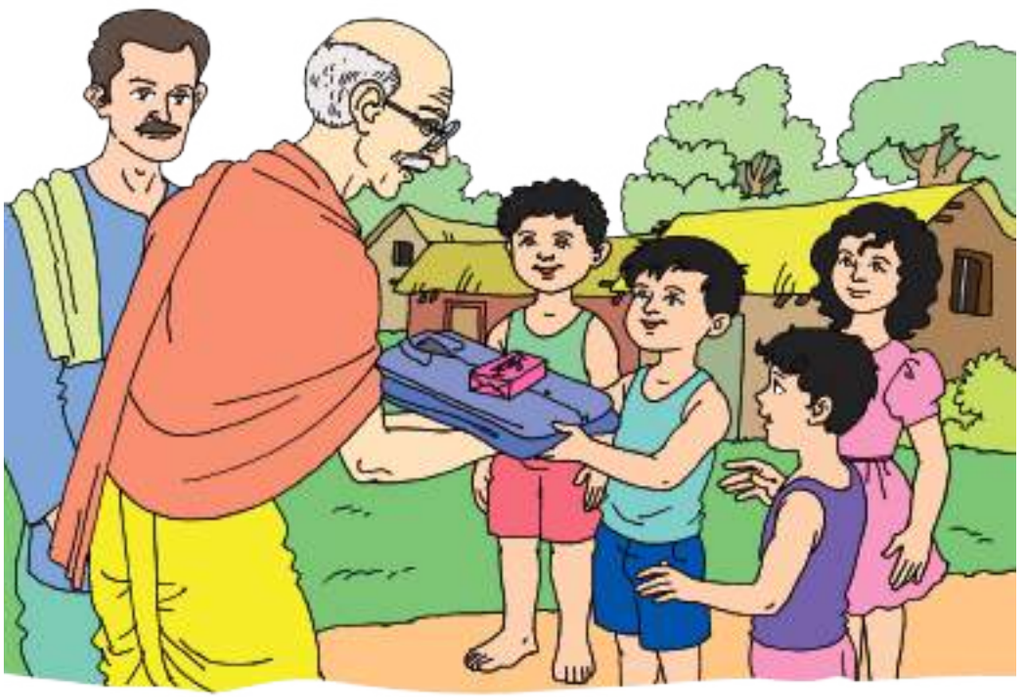

अभ्यास

7GFCQG

1- vkb,] 'kCnksa dk vFkZ tkusa&

- परवाह – ध्यान रखना
- स्वच्छ – साफ
- बिलकुल – पूरी तरह
- उत्सुकतावश – कुछ जानने की चाह
- फुसलाकर – बहलाकर

2- ikB ls&

(क) बापू ठाट–बाट की बजाय क्या चाहते थे?

____

(ख) घूमते समय बापू ने किसको देखा?

____

(ग) बापू ने बच्चे को क्या दिया?

____

3- vkidh ckr&

(क) आप विद्यालय में गाँधी जयंती कैसे मनाते हैं?

(ख) सफाई के पाँच लाभ बताइए।

(ग) आप अपने कक्षा–कक्ष को कैसे साफ रखते हैं?

4- i<sa] cksysa vkSj fy[ksa&

स्वच्छ	______________	फुसलाकर	______________
नमस्कार	______________	मैले	______________
राष्ट्रपिता	______________	विद्यालय	______________

5- lgh 'kCn dk p;u djd fjDr LFkku Hkj&

सम्मान	राष्ट्रपिता	सड़क	झुकाया	स्वच्छता

(क) महात्मा गाँधी हमारे —————————— हैं,
(ख) सारी दुनिया ने उनका —————————— किया।
(ग) अंग्रेजों ने भी उनके आगे सिर ——————————।
(घ) बापू को —————————— बहुत पसंद थी।
(ङ) बापू ने एक बच्चे को —————————— पर देखा।

6- D;k vki tkurs gSa\

(क) बापू का पूरा नाम – मोहनदास करमचंद गाँधी
(ख) जन्म स्थान – पोरबंदर (गुजरात)
(ग) जन्मदिन – 2 अक्टूबर
(घ) शिक्षा – वकालत (इंग्लैंड)
(ङ) बापू के अन्य नाम – महात्मा, राष्ट्रपिता, गाँधीजी

7- jax Hkjs&

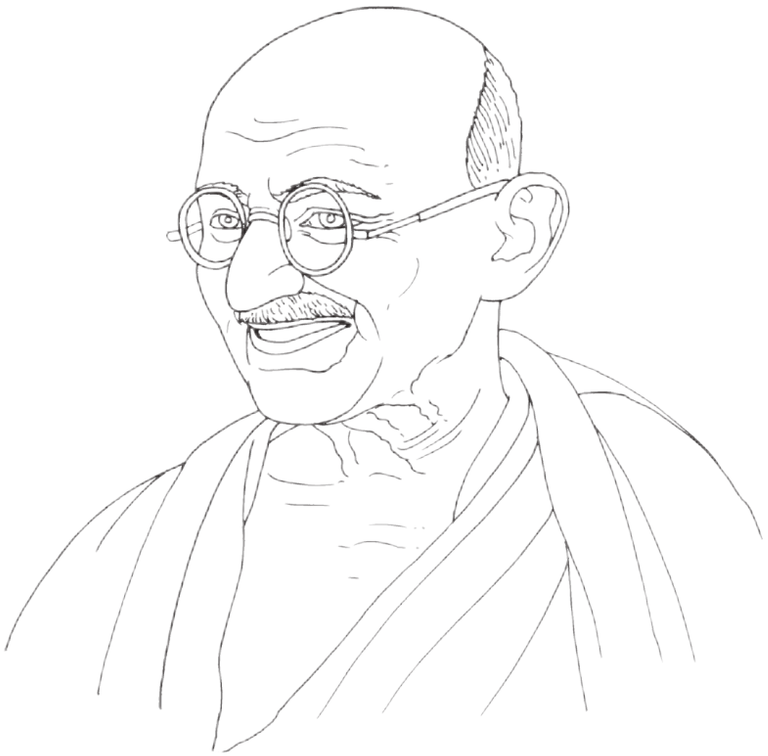

ikB

12 आसमान गिरा

7GP8S4

गरमी का मौसम था। नीलू खरगोश पेड़ के नीचे सोया हुआ था। अचानक उसे धम्म की आवाज सुनाई दी। खरगोश डर गया। नींद में ऊँघते हुए वह तुरंत वहाँ से दौड़ा। नीलू ने दौड़ते हुए इधर–उधर देखा मगर उसे कुछ दिखाई नहीं दिया। उसे लगा आसमान गिर रहा है।

भागते–भागते उसे एक लोमड़ी मिली। उसने पूछा, खरगोश भाई, कहाँ भागे जा रहे हो? ज़रा सुनो तो।

खरगोश भागते–भागते बोला, आसमान गिर रहा है। भागो–भागो! जल्दी भागो। लोमड़ी भी भागने लगी। आगे जाकर उन्हें एक भालू मिला। भालू बोला, ठहरो–ठहरो! कहाँ भागे जा रहे हो?

खरगोश और लोमड़ी एक साथ बोले, आसमान गिर रहा है। भागो तुम भी भागो।

भालू भी उनके साथ भागने लगा।

खरगोश, लोमड़ी और भालू भागते–भागते एक हाथी के पास से निकले। हाथी बोला, अरे! सब क्यों भाग रहे हो? ठहरो, कुछ बताओ तो।

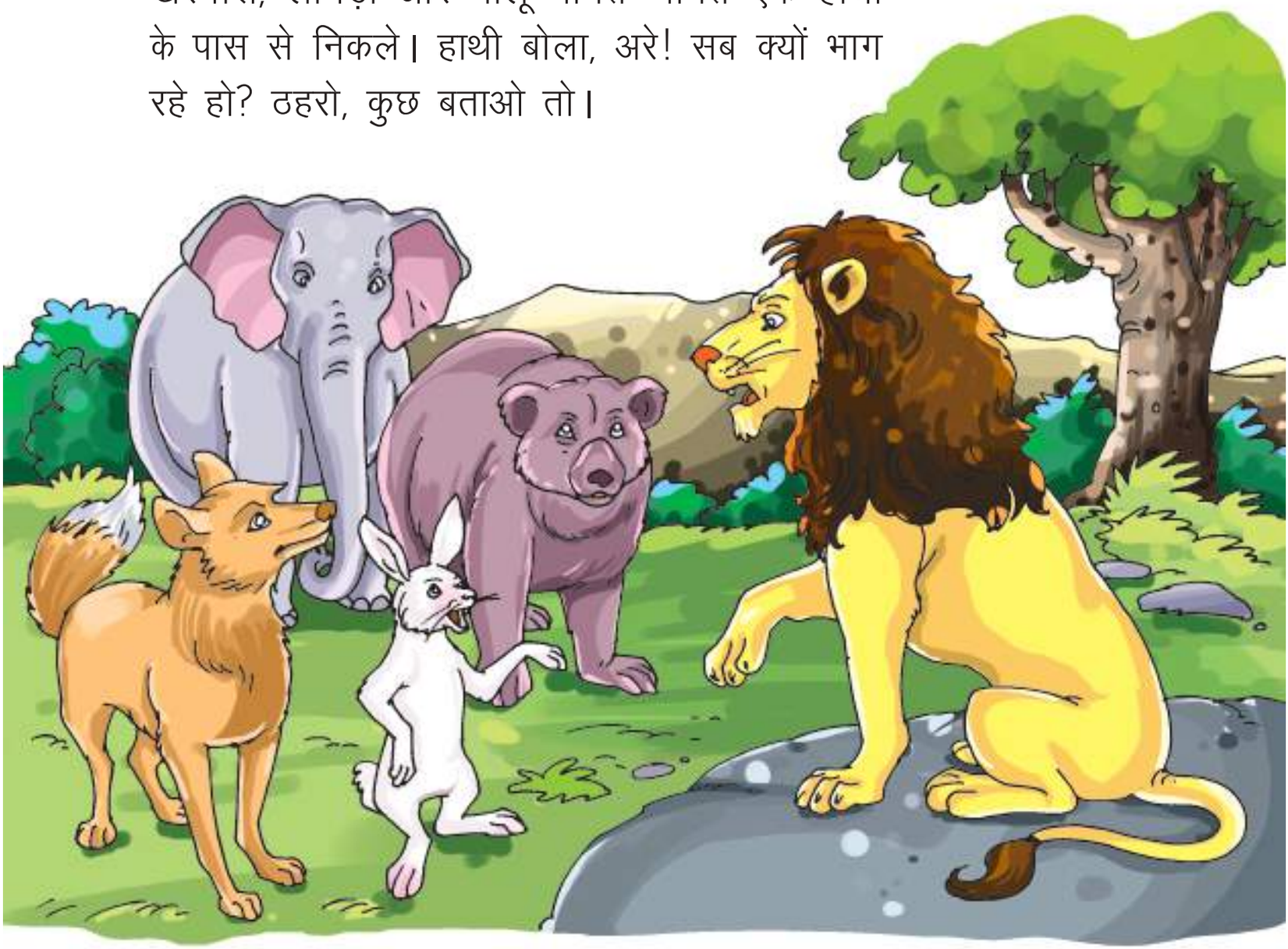

भालू बोला, आसमान गिर रहा है, तुम भी भागो। हाथी भी भागने लगा।

सब भाग रहे थे, आगे–आगे खरगोश, उसके पीछे लोमड़ी, फिर भालू और सबसे पीछे हाथी।

भागते–भागते उन्हें एक शेर मिला। उसने पूछा, तुम सब क्यों भागे जा रहे हो?

हाथी बोला, आसमान गिर रहा है, तुम भी भागो।

शेर ने दहाड़ते हुए कहा, आसमान गिर रहा है? कहाँ गिर रहा है? रुको। यह सुनकर सभी जानवर रुक गए। शेर ने पूछा, किसने कहा, आसमान गिर रहा है?

हाथी बोला, भालू ने कहा।

भालू बोला, लोमड़ी ने कहा।

लोमड़ी बोली, मुझसे खरगोश ने कहा।

खरगोश चुप रहा।

शेर बोला, कहो खरगोश! कहाँ गिर रहा है आसमान? खरगोश ने कहा, मैं पेड़ के नीचे सो रहा था। वहीं धम्म से आसमान गिरा। शेर ने कहा, चलो, चलकर देखें।

सब पेड़ के पास गए। सबने पेड़ के नीचे देखा। वहाँ एक बड़ा–सा फल गिरा पड़ा था। तभी वैसा ही एक और फल गिरा, धम्म! खरगोश चौंक पड़ा।

शेर बोला, तो यही तुम्हारा आसमान था! लो, फिर आसमान गिरा, भागो!

और सभी हँसने लगे।

अभ्यास

7GY4TR

1- vkb,] ‘kCnksa dk vFkZ tkusa&

- अचानक — एकाएक
- आसमान — आकाश
- ऊँघते — आधी नींद से
- जल्दी — शीघ्र
- फुसलाकर — बहलाकर
- तुरंत — शीघ्र

2- ikB ls&

(क) पेड़ के नीचे कौन सोया हुआ था?

____

(ख) अचानक कैसी आवाज आई?

____

(ग) खरगोश की बात सुनकर किस–किस ने भागना शुरू किया?

____

(घ) शेर की बात सुनकर सभी क्यों हँसने लगे?

____

3- vkidh ckr&

(क) सोचकर बताएँ, क्या वास्तव में आसमान गिरा था?

(ख) आपने कौन से जानवर की सवारी की हुई है, और कब?

(ग) चिड़ियाघर में कौन–कौन से जानवर हो सकते हैं? किन्हीं पाँच के नाम बताएँ।

4- i<] ckyh vkj fy[k&

लोमड़ी	______________	आसमान	______________
खरगोश	______________	भालू	______________
चौंककर	______________	हँसना	______________

5- pu vkj Hkj&

(क) लोमड़ी के पीछे ______________ भाग रहा था। (भालू/हाथी)

(ख) सबसे आगे ______________ भाग रहा था। (खरगोश/लोमड़ी)

(ग) खरगोश के पीछे ______________ भाग रही थी (लोमड़ी/चीता)

(घ) भालू के पीछे ______________ भाग रहा था। (हाथी/ शेर)

6- okD; cuk,&

(क) जल्दी – धम्म की आवाज सुनकर खरगोश जल्दी भागने लगा।

(ख) आसमान – ______________________________________

(ग) हाथी – ______________________________________

(घ) फल – ______________________________________

(ङ) शेर – ______________________________________

(च) खरगोश – ______________________________________

(छ) लोमड़ी – ______________________________________

7- ox igyh e dN tkuoj fNi g] <<dj fy[k&

बं	द	र	गा
गा	कु	बि	ल्ली
य	ब	क	री
भैं	स	कु	त्ता

____

____

____

____

____

____

cnj dk dyst k ¼dN vkj i<½

बंदर महाशय! रोज़–रोज़ एक ही पेड़ के फल खा कर तुम्हारा जी नहीं ऊबता?
ऊबता तो है।
तो तुम नदी के पार क्यों नहीं जाते? वहाँ बड़े स्वादिष्ट फल हैं।
पर कैसे जाऊँ? मुझे तैरना नहीं आता!
तो क्या हुआ? तुम मेरी पीठ पर चढ़ जाना।
मित्र हो तो तुम जैसा। चलो चलें...
और फिर–
इतनी सुंदर युक्ति पहले कभी क्यों नहीं सूझी?
जब वे नदी के बीचोबीच पहुँचे–
अरे! क्या मुझे डुबाने का इरादा है?
डुबाने का नहीं, मारने का...
लेकिन क्यों! मेरा कसूर क्या है?
कुछ नहीं। मेरी घरवाली तुम्हारा कलेजा खाना चाहती है। इसलिए तुम्हें मरना पड़ेगा।

अगर मुझे जान प्यारी है, तो जल्दी ही उपाय सोचना होगा।
हा–हा! हो–हो! ही–ही! अच्छा मज़ाक रहा, मगरमच्छ!
बकवास बंद! मरने में हँसने की क्या बात है ?
D;k eryc\
मुझे मार भले ही डालो, लेकिन मेरा कलेजा तुम्हारे हाथ नहीं लगने वाला।
हम बंदर बाहर जाते समय अपना कलेजा किसी सुरक्षित जगह पर छिपा देते हैं।
सच! मुझे क्या पता था!

कोई बात नहीं। वापस चलो। मुझे तुम पर दया आ रही है। इसलिए तुम्हें बता दूँ कि मेरा कलेजा कहाँ है ?
?
वहाँ। किनारे पर वह बड़ा–सा पेड़ है न, मैं वहीं रहता हूँ।
हाँ, हाँ, देख रहा हूँ।
मैं कलेजे को सबसे ऊँची डाल पर छिपा कर रखता हूँ। मुझे ले चलो, ताकि तुम्हारे हवाले कर दूँ।
ठीक है?
जैसे ही वे किनारे पर पहुँचे–
बंदर उछल कर पेड़ पर चढ़ गया
मूर्ख कहीं के, अगर मेरा कलेजा मुझसे जुदा होता, तो मैं मर न जाता! वह मेरे भीतर सुरक्षित है। तुम्हारे हाथ हरगिज नहीं लगने का!
मगरमच्छ अपनी भूल पर हाथ मलता रह गया।
समाप्त

ikB 13

रंग&बिरंगी होली

7H7ZVE

होली है भई होली है।
प्यार भरी रंगोली है।।
आओ मिलकर साथ चलें।
सबसे जाकर गले मिलें।।
लो अपनी टोली निकली।
धूम मची है गली–गली ।।
पीला, हरा, गुलाबी, लाल।
चले हाथ में लिए गुलाल।।
सबसे अपनी यारी है।
रंग भरी पिचकारी है।।
नाच रहे हैं खड़े–खड़े।
झूम रहे हैं बड़े–बड़े ।।
यह सबका त्योहार है।
हमको सबसे प्यार है।।

–किशोर कुमार कौशल

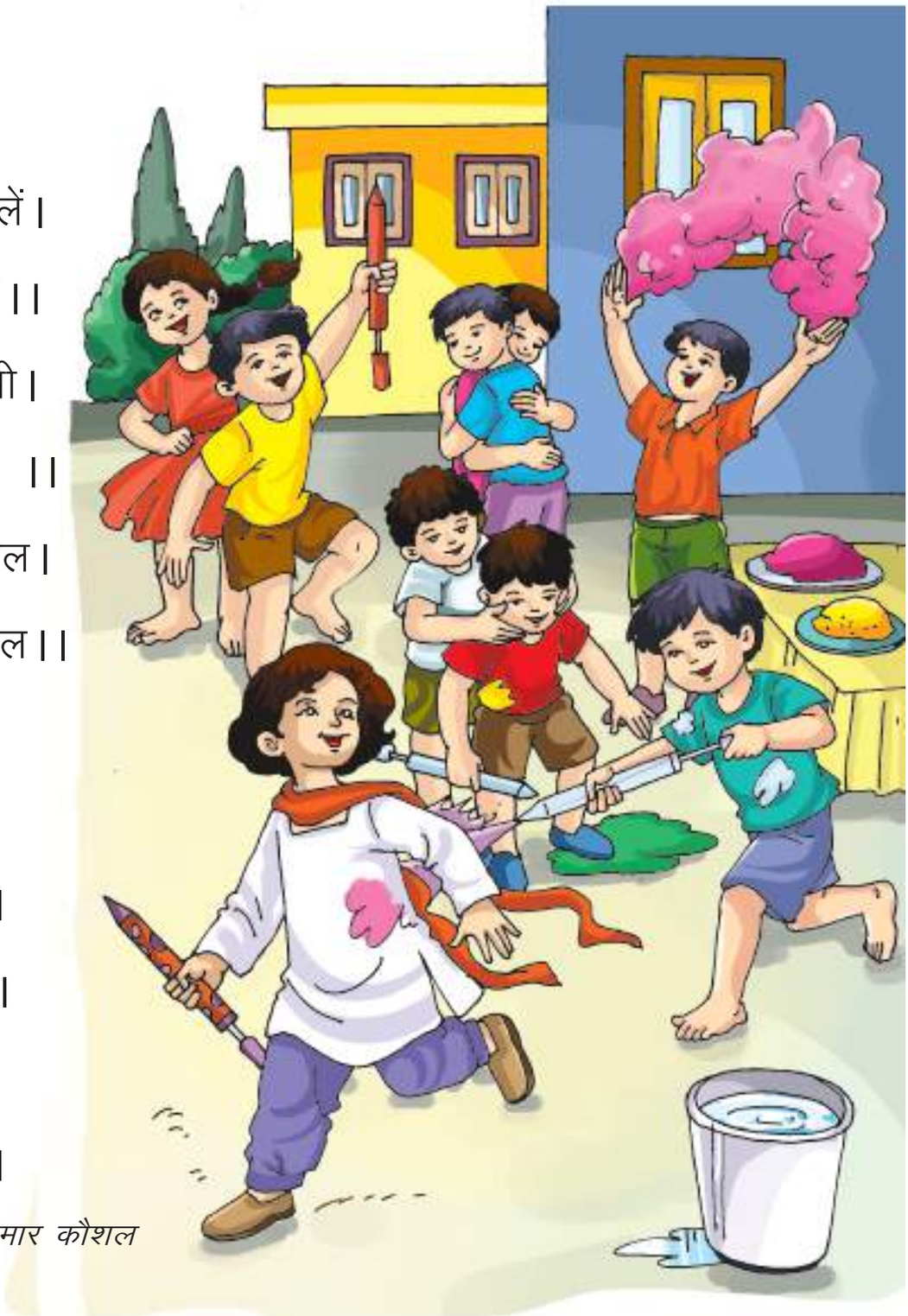

अभ्यास

7TL9BY

1- vkb,] 'kCnk d vFk tku&

- टोली – झुंड
- यारी – मित्रता
- त्योहार – पर्व
- झूमना – प्रसन्नता से हिलना
- गुलाल – विशेष प्रकार का रंग
- फुसलाकर – बहलाकर

2- dfork l&

(क) रंगों का त्योहार किसे कहा जाता है?

_____

(ख) कविता में होली के बारे में क्या–क्या बताया गया है?

_____

(ग) होली का त्योहार क्या संदेश देता है?

_____

3- vkidh ckr&

(क) होली खेलने के लिए आपको किन–किन चीजों की जरूरत होती है?

(ख) होली खेलते समय आप किन–किन बातों का ध्यान रखते हैं?

(ग) आप होली कैसे मनाते हैं?

4- lkp vkj fy[k&

(क) आओ मिलकर _____।

_____ गले मिलें।

(ख) यह सबका _____ ।

_____ प्यार है।

5- l|u] ckyk vkj fy[kk&

रंगोली ——————————
त्योहार ——————————
टोली ——————————
गुलाल ——————————
यारी ——————————

6- lkpk vkj ppkk djk&

होली के अलावा आप और कौन–कौन से त्योहार मनाते हैं? कक्षा– कक्ष में अपने सहपाठियों एवं शिक्षक से चर्चा करें।

7- jx Hkjk&

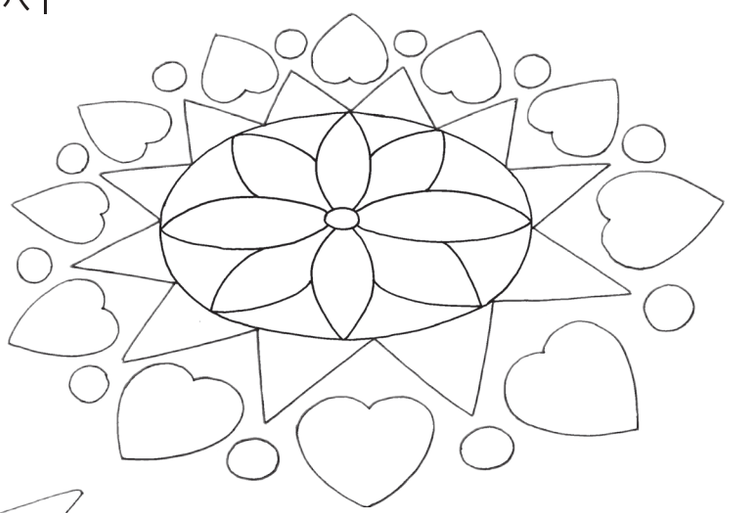

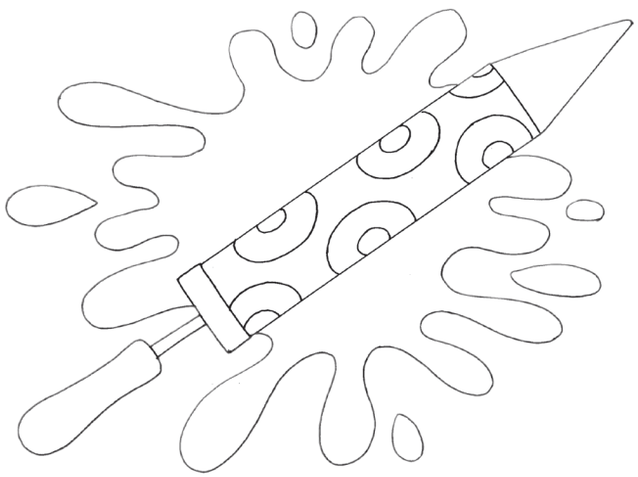

f'k{kd d fy, – बच्चों को होलिका दहन एवं होली के बारे में जानकारी दें और बच्चों को होली खेलते समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताएँ। कक्षा–कक्ष में फाग/होलीगीत गाने के लिए प्रेरित करें।

vkius fdruk lh[kk

1- fn, x, ckDl e lgh ‘kCn pudj fy[k&

- विद्यालय   विधालय   ____________
- लोमडी   लोमड़ी   ____________
- प्रसन्नता   प्रसनता   ____________
- कृपा   किरपा   ____________

2- fuEufyf[kr ‘kCnk d lgh vFk ij ¼✓½ dk fu’kku yxk,&

- फुसलाकर – फैलाकर / बहलाकर
- तुरंत – शीघ्र / तीव्र
- उपहार – उपमा / भेंट
- टोली – झुंड / ट्राली

3- fuEufyf[kr i’uk d mÙkj ij okD; e fy[k&

- बापू ने बच्चे को क्या दिया?

____

- रंगों का त्योहार किसे कहा गया है?

____

4- lgh 'kCn pqudj [kkyh LFkku Hkjks&

- भालू के पीछे ———————— भाग रहा था। (हाथी/शेर)
- लोमड़ी के पीछे ———————— भाग रहा था। (भालू/हाथी)

5- uhps fy[ks okD;ka'kksa ds fy, ,d&,d 'kCn fy[kks&

- खेती करने वाला ————————————
- लकड़ी का सामान बनाने वाला ————————————

6- lkspks vkSj iafDr;k¡ iwjh djks&

- होली है भई, होली है,

  प्यार भरी ————————————

- यह सबका त्योहार है,

  हमको सबसे ————————————

7- vki gksyh dSls eukrs gSa\ nks&rhu okD; fy[kksA

————————————————————————

————————————————————————

————————————————————————